

1

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी

(A State University established under Haryana Act No.25 of 2014)

भारतीय संस्कृति एवं भाषा विभाग
एम. ए. हिन्दी दो वर्षीय पाठ्यक्रम



राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार
शैक्षणिक सत्र : जुलाई 2026 से प्रभावी

Approved by -

PGBOS 30June.2026 & Faculty Board 17.12.2026. 1st & 2nd 3rd & 4th Sem.

एम.ए.हिन्दी दो वर्षीय पाठ्यक्रम विवरणिका

भूमिका:—राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुसार एम.ए. हिन्दी के पाठ्यक्रम को लागू करने की दृष्टि से इसमें अपेक्षित संशोधन और परिवर्धन के बाद जुलाई 2026 से लागू किया जाएगा।

संबद्धता:—चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी के भारतीय संस्कृति एवं भाषा विभाग द्वारा प्रस्तावित यह पाठ्यक्रम चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी और विश्वविद्यालय से संबद्धता रखने वाले कॉलेजों के लिए होगा।

पाठ्यक्रम संरचना:—एम. ए. हिन्दी का यह पाठ्यक्रम दो वर्षीय होगा। प्रत्येक भाग में दो-दो सेमेस्टर होंगे, जिन्हें सेमेस्टर-I, II, III, और IV माना जाएगा। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा निर्मित एवं चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी द्वारा स्वीकृत चार सेमेस्टर के चयन आधारित क्रेडिट पद्धति के अंतर्गत सम्पूर्ण पाठ्यक्रम तथा मूल्यांकन-पद्धति को तैयार किया गया है। इसे चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी के नियमों के अनुसार लागू किया जाएगा।

एम. ए. हिन्दी के अंतर्गत चार प्रकार के पाठ्यक्रम की व्यवस्था रहेगी।

1. मूल पाठ्यक्रम:— एम.ए. हिन्दी के प्रत्येक सेमेस्टर के सभी छात्रों के लिए यह अनिवार्य पाठ्यक्रम होगा।
2. ऐच्छिक पाठ्यक्रम:— ऐच्छिक पाठ्यक्रम में विशेष अध्ययन की दृष्टि से बहुविकल्पों की व्यवस्था है। विद्यार्थी इनमें से किसी एक विकल्प का चयन कर सकेंगे। इन बहुवैकल्पिक प्रश्नपत्रों की व्यवस्था I, II, III, और IV सेमेस्टर के अंतर्गत की गई है।
3. अनुशासन वैकल्पिक पाठ्यक्रम: में भारतीय ज्ञान परंपरा — इस पाठ्यक्रम के अंतर्गत हिन्दी-विभाग द्वारा दो प्रश्नपत्रों की व्यवस्था की गई है जिसको दूसरे व तीसरे सेमेस्टर में अध्ययन कर सकेंगे। ये पाठ्यक्रम भारतीय ज्ञान परंपरा, मूल्य आधारित पद्धति व रोजगारपरक होगा।
4. प्रायोगिक पाठ्यक्रम :—इस पाठ्यक्रम के आधार पर विद्यार्थियों का कौशल विकसित किया जाएगा।

प्रोग्राम आऊटकम (POs)

आऊटकम बेस्ड शिक्षा प्रणाली एक महत्वपूर्ण शैक्षिक सिद्धान्त है जो परिणाम आधारित लक्ष्यों को आधार बनाता है। इस प्रणाली से शिक्षक यह समझ सकेंगे कि उन्हें पाठ्यक्रम में किस तरह के बदलाव करने की आवश्यकता है और विद्यार्थियों को पता चलेगा कि उनका मूल्यांकन किस आधार पर किया जाएगा। रोजगार व स्वरोजगार के अवसर किस-किस क्षेत्र में हो सकते हैं इन सबकी जानकारी इस पाठ्यक्रम में समाहित होगी।

एम. ए. हिन्दी स्नातकोत्तर स्तर का कार्यक्रम है जिसका मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों की साहित्य के प्रति समझ, ज्ञान और गहन अध्ययन की प्रवृत्ति विकसित करनी है। वर्तमान परिवेश में ज्ञान के साथ-साथ चेतना, संवेदनशीलता और बहुआयामी व्यक्तित्व की आवश्यकता है जो समाज में फैली नकारात्मकता को खत्म करके समानता और बहुल को स्थापित कर सके। हिन्दी साहित्य मनुष्य के दृष्टिकोण को विस्तार प्रदान करता है जो मानवता की प्रासंगिकता को बनाए रखता है। भाषा विज्ञान, आलोचना और काव्यशास्त्र का अध्ययन जहाँ विद्यार्थियों की सैद्धांतिक समझ को बढ़ाता है वहीं कविता, कहानी, नाटक, उपन्यास, निबन्धों के द्वारा विद्यार्थी व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त कर सकते हैं। एम. ए. हिन्दी का पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को सैद्धांतिक और व्यावहारिक दोनों रूपों में सक्षम बनाता है साथ ही पाठ्यक्रम की संरचना विद्यार्थियों को मुक्त ऐच्छिक विषयों को अपनी इच्छा से पढ़ने की आजादी भी प्रदान करती है। पाठ्यक्रम की संरचना यू.जी.सी. नेट, यू.पी.ए.सी. एवं सहायक प्रोफेसर परीक्षाओं को ध्यान में रखकर किया गया है।

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

प्रोग्राम स्पेसिफिक आउटकम (PSOs)

एम. ए. हिन्दी का पाठ्यक्रम भाषा कौशल के साथ-साथ सामाजिक सरोकार के विभिन्न पहलुओं का ज्ञान प्रदान करता है। एम. ए. हिन्दी पाठ्यक्रम के विशिष्ट परिणाम :-

1. हिन्दी साहित्य के माध्यम से छात्रों में सामाजिक व राष्ट्रीय प्रतिबद्धता का निर्माण करना।
2. साहित्य के प्रति रूचि का विकास करना।
3. हिन्दी साहित्य के माध्यम से जीवन तथा मानवीय मूल्यों का ज्ञान प्रदान करना।
4. हिन्दी बोलने और लिखने के कौशल में कुशलता।
5. हिन्दी साहित्य की विविध विधाओं की जानकारी प्रदान करना।
6. भाषिक ज्ञान को बढ़ावा देना।
7. प्रभावी संप्रेषण और रोजगार को बढ़ावा देना-साहित्यकार, सिनेमा, संपादन, प्रूफ रीडर, संपादन, लेखक, निर्देशक आदि।
8. छात्रों में नैतिक मूल्यों की स्थापना करना।
9. समाज और राष्ट्र के प्रति अपनी भूमिका को समझना।
10. साहित्य के माध्यम से भारतीय संस्कृति का ज्ञान प्रदान करना।
11. यूजीसी नेट, यूपीएसी एवं सहायक प्रोफेसर परीक्षाओं में उपयोगी सिद्ध होगा।




चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

Study & Evaluation scheme -

M.A. Hindi 1st Year Level-500-599
M.A. Hindi 2nd Year Level-600-699

Programme -
Duration -
Medium -
Minimum Required Attendance -
Total Credits - 22+24+24+22=92

Assessment / Evaluation

M. A. Hindi
Two-year full time (Four Semester)
Hindi
75%

Internal Marks	Major test (End Semester Exam) Marks	Total Marks
30	70	100
15	35	50

Internal Evaluation

Minor Test	Attendance	Assignment	Total Marks
20	5	5	30
7	4	4	15

Duration of Examination

Major Test (End Semester Exam)	Internal (Minor Test)	Written Exam
3 hrs.	1 ½ hrs.	70
2	1	35

To qualify the course, student is required to secure a minimum of 40% marks in aggregate including the Major Test (End Semester Examination) and internal evaluation. A candidate who secures less than 40% of marks in a course shall be deemed to have failed in that course. The student should have obtained at least 40% marks in aggregate to qualify the semester.

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

Chaudhary Bansi Lal University, Bhiwani

Scheme of the examination for M.A Hindi

Semester	Core Course			DSE			IKS/EEC	Practicum		Non CGPA	Total
	Theory	Practical/Self Study	Seminar	Theory	Case study/ Supervised Field Traini	Supervised Field Project		Compulsory	Elective		
1.	4*4=16	0	0	1*4=4	-----	-----	2	-----	0	22	
2.	4*4=16	0	0	1*4=4	-----	-----	2	-----	0	24	
3.	3*4=12	0	0	2*4=8	-----	-----	2	-----	0	24	
4.	2*4=8	0	0	3*4=12	-----	-----	2	-----	0	22	
Total	52	0	0	28			8			92	

1. C.C = Core course
2. D.E.C. = Discipline Elective Course
3. IKS/VAC = Open Elective Course
4. EEC = Employability & Entrepreneurship skill Course
5. PC = Practicum

[Handwritten signatures and initials]

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
रत्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

कार्यक्रम के परिणाम (POs)

PO1.	ज्ञान :- छात्रों को अकादमिक रूप से तैयार करना ताकि वे मानविकी और भाषाओं -हिन्दी,पंजाबी,संस्कृत और अंग्रेजी के मुख्य विषयों में चुने गए क्षेत्रों का विस्तृत ज्ञान और समझ प्राप्त कर सकें। इससे उनका बौद्धिक विकास होगा और वे इस ज्ञान को अपने व्यक्तिगत, पेशेवर व सामाजिक जीवन में लागू कर सकें।
PO2.	विशेषज्ञता और रोजगार की क्षमता :- संचार, कौशल,सॉफ्ट स्किल्स और भाषाई दक्षता को बेहतर बनाना ताकि वे अपने चुने हुए करियर में सफल हो सकें।
PO3.	अंतर-विषयक दृष्टिकोण :- मानविकी और भाषाओं के मुख्य विषयों के अलावा,अध्ययन के चुने हुए क्षेत्रों की अवधारणों और सिद्धान्तों की समझ विकसित करना।
PO4.	अनुप्रयोग विकास :-छात्रों को भारतीय और पश्चिमी सौंदर्यशास्त्र व अनुवादित रचनाओं से परिचित कराना। इससे वे विभिन्न विषयों से प्राप्त सैद्धांतिक अवधारणाओं को लागू करके सभी साहित्यिक विधाओं का आलोचनात्मक विश्लेषण कर सकेंगे और उन्हें ऐतिहासिक आंदोलनों,साहित्यिक आलोचनात्मक विश्लेषण कर सकेंगे और उन्हें ऐतिहासिक आंदोलनों,साहित्यिक आलोचना और सिद्धान्त के व्यापक संदर्भ में समझ सकेंगे।
PO5.	आलोचनात्मक सोच:- अंग्रेजी,पंजाबी,संस्कृत और हिन्दी साहित्य का विश्लेषण करने के लिए आलोचनात्मक कौशल विकसित करना। इसमें जातीय समूहों,नस्ल,वर्ग,लिंग और वैकल्पिकता,प्रतिनिधित्व,पर्यावरण और पारिस्थितिक तथा बहुसंस्कृतिवाद,उत्तर-उपनिवेशवाद, उत्तर-मानवतावाद,प्रवासन आदि रुझानों से मुद्दों पर ध्यान केन्द्रित किया जाएगा।
PO6.	IT - सूचना तकनीक आधारित कौशल और शोध नैतिकता :- छात्रों को शोध पद्धति,शोध नैतिकता,कंप्यूटर अनुप्रयोग और ICT सक्षम शिक्षण पद्धतियों की बुनियादी बातों से परिचित कराना।
PO7,	समस्या समाधान : छात्रों को नवीन पद्धतियों के लिए प्रशिक्षित करना जो उन्हें साहित्य,राजनीति और समाज के बीच अंतर्निहित संबंधों को समझने में मदद करेंगी।
PO8.	नैतिकता और नेतृत्व :- नैतिक मूल्यों को अपनाने और उनका पालन करने की क्षमता को बढ़ाना ताकि वे अपने व्यक्तिगत,पेशेवर और सामाजिक जीवन में नेतृत्व की भूमिका निभा सकें।

Scheme of Examination According to NEP 2020

1. C.C = Core course = यह विषय सभी विद्यार्थियों के लिए अनिवार्य हैं।
2. D.E.C = Discipline Elective Course = इन विषयों में से विद्यार्थी किसी भी एक विषय का चयन अपनी इच्छा से कर सकते हैं। D.E.C के विभिन्न विकल्पों में से किसी भी विषय के अध्ययन के लिए विद्यार्थी MOOC/SWAYAM के द्वारा प्रस्तावित समान क्रेडिट वाले किसी भी विकल्प को चुन सकते हैं।
3. IKS/VAC = Indian Knowledge System = यह विषय विद्यार्थियों को भारतीय ज्ञान परम्परा प्रणाली से जोड़ने का कार्य करेगा।
4. EEC = Employability & Entrepreneurship skill Course = यह विषय विद्यार्थियों को रोजगारपरक शिक्षा देने का कार्य करेगा।
5. PC = Practicum = यह विषय विद्यार्थियों को प्रैक्टिकम के माध्यम से व्यावहारिक प्रशिक्षण देने का कार्य करेगा।

Dr. Anurag

Anurag

एम.ए. हिन्दी Programme: Course-PO Mapping (Semester I, II, III, IV)
M.A. HINDI Course-Programme Outcomes (POs) Mapping

	PO1 ज्ञान	PO2. विशेषज्ञता और रोजगार की क्षमता :	PO3 अंतर-विषयक दृष्टिकोण	PO4 अनुप्रयोग विकास	PO5 आलोचनात्मक सोच	PO6 सूचना तकनीक आधारित कौशल और शोध नैतिकता	PO7 समस्या समाधान	PO8 नैतिकता और नेतृत्व
आधुनिक हिन्दी कविता(1857-1936)	✓	0	✓	0	✓	0	0	✓
हिन्दी कहानी-	✓	0	✓	0	✓	0	0	✓
हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से शैतिकाल)	✓	0	✓	0	✓	0	0	✓
भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा	✓	✓	✓	0	✓	0	0	✓
विशेष रचनाकार – भारतेन्दु हरिश्चन्द्र	✓	✓	✓	0	✓	0	0	✓
विशेष रचनाकार – प्रेमचन्द	✓	✓	✓	0	✓	0	0	✓
विशेष रचनाकार-जयशंकर	✓	✓	✓	0	✓	0	0	✓
विशेष रचनाकार-अज्ञेय	✓	✓	✓	0	✓	0	0	✓
विशेष रचनाकार-बालमुकुन्द गुप्त	✓	✓	✓	0	✓	0	0	✓
हिन्दी में विज्ञापन लेखन-कौशल	0	✓	✓	✓	0	✓	✓	0
आधुनिक हिन्दी कविता (1936-1960)	✓	0	✓	0	0	✓	✓	✓
हिन्दी नाटक एवं रंगमंच	✓	0	✓	0	0	✓	✓	✓
हिन्दी साहित्य का इतिहास(आधुनिककाल)	✓	0	✓	0	0	✓	✓	✓
हिन्दी उपन्यास	✓	0	✓	0	0	✓	✓	✓
लोक साहित्य	✓	✓	✓	0	0	✓	✓	✓
हरियाणा का हिन्दी साहित्य	✓	✓	✓	0	0	✓	✓	✓
आधुनिक भारतीय साहित्य	✓	✓	✓	0	0	✓	✓	✓
प्रवासी साहित्य	✓	✓	✓	0	0	✓	✓	✓
साहित्य की समझ	✓	0	0	0	0	0	0	✓
भारतीय ज्ञान परम्परा और हिन्दी साहित्य	✓	0	✓	0	0	0	0	✓
साक्षात्कार लेखन एवं कौशल	0	✓	✓	✓	✓	✓	✓	0

Signature

समकालीन हिन्दी कविता(1967से अद्यतन)	✓	●		●	✓	✓	✓	●	✓	✓	●	✓
भारतीय काव्यशास्त्र	✓	●		●				●			●	✓
हिन्दी की संस्कृति	✓	●		●				●			●	✓
हिन्दी निबंध साहित्य	✓	✓		●				●			●	✓
हिन्दी आत्मकथा एवं जीवनी	✓	●		✓				✓			●	✓
हिन्दी संस्मरण एवं रेखाचित्र	✓	●		●				●			●	✓
हिन्दी डायरी एवं रिपोताज	✓	●		●				●			●	○
जनसंचार माध्यम एवं हिन्दी	●	✓		✓				✓			✓	○
व्यावसायिक हिन्दी	●	✓		✓				✓			✓	○
हिन्दी संचार कौशल	✓	✓		●				●			●	○
अनुवाद सिद्धान्त एवं प्रयोग	✓	✓		✓				✓			○	○
रोजगारपरक हिन्दी	●	✓		✓				✓			○	○
शोध पत्र लेखन एवं प्रस्तुति कौशल	●	✓		✓				✓			✓	○
आदिकालीन एवं मध्यकालीन कविता	✓	✓		●				●			○	○
पाश्चात्य काव्यशास्त्र	✓	✓		●				●			○	○
हिन्दी साहित्य में स्त्री विमर्श	✓	✓		✓				✓			○	○
हिन्दी साहित्य में दलित विमर्श	✓	✓		✓				✓			○	○
हिन्दी साहित्य में किसान विमर्श	✓	✓		✓				✓			○	○
हिन्दी साहित्य में पर्यावरण विमर्श	✓	✓		✓				✓			○	○
हिन्दी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि	✓	✓		●				●			○	○
समकालीन साहित्य चिन्तन	✓	✓		●				●			○	○
हिन्दी आलोचना	✓	✓		●				●			○	○
हिन्दी पत्रकारिता	✓	✓		●				●			○	○
कबीरदास -विशिष्ट रचनाकार	✓	✓		✓				✓			○	○
सूरदास -विशिष्ट रचनाकार	✓	✓		●				●			○	○
तुलसीदास- विशिष्ट रचनाकार	✓	✓		●				●			○	○
मीराबाई -विशिष्ट रचनाकार	✓	✓		●				●			○	○
शोध-प्रविधि एवं व्यावहारिक रूप	●	✓		✓				✓			✓	○
लघु शोधप्रबंध	●	✓		✓				✓			✓	○

amrinder

वैधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

Ch. BANSI LAL UNIVERSITY, BHIVANI

Scheme of Examination for M.A HINDI Session 2026-27

Scheme and Syllabus of Two Year Post Graduate Programme M.A. HINDI w.e.f. 2026-27

Courses	Nomenclature of Course	Course Code	Credits Distribution			Total Credits	Contact Hours			Total Contact Hours	Marks				Total Marks 550	
			L	T	P		L	T	P		Theory		Practical			
											Internal	External	Internal	External		
SEMESTER-1																Total Credits-22
CC-1@4 credits	आधुनिक हिन्दी कविता(1857-1936)-CC	26HND-101	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70	-	-	100	
CC-2@4 credits	हिन्दी कहानी-CC	26HND-102	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70	-	-	100	
CC-3@4 credits	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से शैतिकाल)-CC	26HND-103	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70	-	-	100	
CC-4@4 credits	भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा-CC	26HND-104	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70	-	-	100	
Any one of the following DEC's																
DEC-1@4 credits	विशेष रचनाकार - भारतेंदु हरिश्चन्द्र	26HND-105	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70	-	-	100	
D.E.C के विभिन्न विकल्पों में से किसी भी विषय के अध्ययन के लिए विद्यार्थी	विशेष रचनाकार -प्रेमचन्द	26HND-105	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70	-	-	100	
MOOC/SWAYA M के द्वारा प्रस्तावित समान क्रेडिट वाले किसी भी विकल्प को चुन सकते हैं।	विशेष रचनाकार-जयशंकर	26HND-105	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70	-	-	100	
	विशेष रचनाकार-अज्ञेय	26HND-105	4	0	0	4	4	0	0	4	30	70	-	-	100	

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

	विशिष्ट रचनाकार-बालमुकुन्द गुप्त	26HND-105 DEC-E	4	0	0	4	4	0	0	4	4	30	70	-	-	-
PC-1@2 credits	हिन्दी में विज्ञापन लेखन-कौशल	26HND-106-CC	0	0	2	2	0	0	4	4	4	-	-	15	35	50
			22	0	2	22	20	0	4	24	150	350	15	35	550	
SEMESTER-II																
Total Credits-24																
CC-5@4 credits	आधुनिक हिन्दी कविता (1936-1960)	26HND-201	4	0	0	4	4	0	0	4	4	30	70	-	-	100
CC-6@4 credits	हिन्दी नाटक एवं रंगमंच	26HND-202	4	0	0	4	4	0	0	4	4	30	70	-	-	100
CC-7@4 credits	हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल)	26HND-203	4	0	0	4	4	0	0	4	4	30	70	-	-	100
CC-8@4 credits	हिन्दी उपन्यास	26HND-204	4	0	0	4	4	0	0	4	4	30	70	-	-	100
Anyone of the following DEC's																
DEC-2@4 credits D.E.C.के विभिन्न विकल्पों में से किसी भी विषय के अध्ययन के लिए विद्यार्थी MOOC/ SWAYAM के द्वारा प्रस्तावित समान क्रेडिट वाले किसी भी विकल्प को चुन सकते हैं।	लोक साहित्य	26HND-205 DEC-A	4	0	0	4	4	0	0	4	4	30	70	-	-	100
	हरियाणा का हिन्दी साहित्य	26HND-205 DEC-B	4	0	0	4	4	0	0	4	4	30	70	-	-	
	आधुनिक भारतीय साहित्य	26HND-205 DEC-C	4	0	0	4	4	0	0	4	4	30	70	-	-	
	प्रवासी साहित्य	26HND-205 DEC-D	4	0	0	4	4	0	0	4	4	30	70	-	-	
	साहित्य की समझ	26HND-205 DEC-E	4	0	0	4	4	0	0	4	4	30	70	-	-	
IKS/VAC@2 credits	भारतीय ज्ञान परम्परा और हिन्दी साहित्य	26HND-206	2	0	0	2	2	0	0	2	2	15	35	-	-	50

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

PC-2@2 credits	साक्षात्कार लेखन एवं कौशल	26HND-207	0	0	0	2	0	0	4	4	4	-	-	15	35	50
			22	0	0	24	22	0	4	26	165	385	15	35	600	
SEMESTER-III (for option I and II)																
Total Credits-24																
CC-9@4 credits	समकालीन हिन्दी कविता (1967 से अद्यतन)	26HND-301	4	0	0	4	4	4	0	0	4	30	70	-	-	100
CC-10@4 credits	भारतीय काव्यशास्त्र	26HND-302	4	0	0	4	4	4	0	0	4	30	70	-	-	100
CC-11@4 credits	हिन्दी की संस्कृति	26HND-303	4	0	0	4	4	4	0	0	4	30	70	-	-	100
Anyone of the following DEC's																
DEC-3@4 credits	हिन्दी निबंध साहित्य	26HND-304	4	0	0	4	4	4	0	0	4	30	70	-	-	100
		DEC-A														
	हिन्दी आत्मकथा एवं जीवनी	26HND-304	4	0	0	4	4	4	0	0	4	30	70	-	-	
		DEC-B														
	हिन्दी संस्मरण एवं रेखाचित्र	26HND-304	4	0	0	4	4	4	0	0	4	30	70	-	-	
		DEC-C														
	हिन्दी डायरी एवं रियाज़	26HND-304	4	0	0	4	4	4	0	0	4	30	70	-	-	
		DEC-D														
Anyone of the following DEC's																
DEC-4@4 credits	जनसंचार माध्यम एवं हिन्दी	26HND-305	4	0	0	4	4	4	0	0	4	30	70	-	-	100
		DEC-A														
	व्यावसायिक हिन्दी	26HND-305	4	0	0	4	4	4	0	0	4	30	70	-	-	
		DEC-B														
	हिन्दी संचार कौशल	26HND-305	4	0	0	4	4	4	0	0	4	30	70	-	-	
		DEC-C														

[Handwritten Signature]

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

	अनुवाद सिद्धान्त एवं प्रयोग	26HND-305 DEC-D	4	0	0	4	4	4	0	0	4	30	70	-	-	
EEC@2 credits	रोजगारपरक हिन्दी	26HND-306	2	0	0	2	2	2	0	0	2	15	35	-	-	50
PC-3@2 credits	शोध पत्र लेखन एवं प्रस्तुति कौशल	26HND-307	0	0	0	2	0	2	0	0	4	-	-	15	35	50
			22	0	0	24	22	0	4	4	26	165	385	15	35	600
SEMESTER-IV (for option I)																
CC-12@4 credits	आदिकालीन एवं मध्यकालीन कविता	26HND-401	4	0	0	4	4	4	0	0	4	30	70	-	-	100
CC-13@4 credits	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	26HND-402	4	0	0	4	4	4	0	0	4	30	70	-	-	100
Anyone of the following DEC's																
DEC-5@4 credits	हिन्दी साहित्य में स्त्री विमर्श	26HND-403 DEC-A	4	0	0	4	4	4	0	0	4	30	70	-	-	100
	हिन्दी साहित्य में दलित विमर्श	26HND-403 DEC-B	4	0	0	4	4	4	0	0	4	30	70	-	-	
	हिन्दी साहित्य में किसान विमर्श	26HND-403 DEC-C	4	0	0	4	4	4	0	0	4	30	70	-	-	
	हिन्दी साहित्य में पर्यावरण विमर्श	26HND-403 DEC-D	4	0	0	4	4	4	0	0	4	30	70	-	-	
Anyone of the following DEC's																
DEC-6@4 credits	हिन्दी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि	26HND-404 DEC-A	4	0	0	4	4	4	0	0	4	30	70	-	-	100
	समकालीन साहित्य चिन्तन	26HND-404 DEC-B	4	0	0	4	4	4	0	0	4	30	70	-	-	
	हिन्दी आलोचना	26HND-404 DEC-C	4	0	0	4	4	4	0	0	4	30	70	-	-	

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

हिन्दी परकाशिता	26HND-404 DEC-D	4	0	0	4	4	4	0	0	4	4	30	70	-	-	
Anyone of the following DECs																
D.E.C के विभिन्न विकल्पों में से किसी भी विषय के अध्ययन के लिए विद्यार्थी MOOC/SWAYA M के द्वारा प्रस्तावित समान क्रेडिट वाले किसी भी विकल्प को चुन सकते हैं।	DEC-7@4 credits	कबीरदास -विशिष्ट रचनाकार	26HND-405	4	0	0	4	4	4	0	0	4	30	70	-	-
	DEC-A															
	सूरदास -विशिष्ट रचनाकार	26HND-405	4	0	0	4	4	4	0	0	4	30	70	-	-	
	DEC-B															
	तुलसीदास -विशिष्ट रचनाकार	26HND-405	4	0	0	4	4	4	0	0	4	30	70	-	-	
PC-4@2 credits	DEC-C															
	मीराबाई -विशिष्ट रचनाकार	26HND-405	4	0	0	4	4	4	0	0	4	30	70	-	-	
PC-4@2 credits	DEC-D															
	शोध-प्रविधि एवं व्यावहारिक रूप	26HND-406	0	0	0	2	0	0	0	4	4	-	-	15	35	50
			22	0	0	22	22	0	4	24	150	350	15	35		550
SEMESTER-IV (for option II)																
Anyone of the following DECs																
DEC-5@4 credits	हिन्दी साहित्य में स्त्री विमर्श	26HND-403	4	0	0	4	4	4	0	0	4	30	70	-	-	100
	DEC-A															
	हिन्दी साहित्य में दलित विमर्श	26HND-403	4	0	0	4	4	4	0	0	4	30	70	-	-	
	DEC-B															
	हिन्दी साहित्य में किसान विमर्श	26HND-403	4	0	0	4	4	4	0	0	4	30	70	-	-	
DEC-C																
	हिन्दी साहित्य में पर्यावरण विमर्श	26HND-403	4	0	0	4	4	4	0	0	4	30	70	-	-	
DEC-D																
	हिन्दी साहित्य में पर्यावरण विमर्श	26HND-403	4	0	0	4	4	4	0	0	4	30	70	-	-	

[Handwritten signatures and initials]

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

DEC-6@4 credits	हिन्दी साहित्य की वैचारिक पृष्ठभूमि	26HND-404 DEC-A	4	0	0	4	4	0	0	4	0	0	4	30	70	-	-	100
	समकालीन साहित्य चिन्तन	26HND-404 DEC-B	4	0	0	4	4	0	0	4	0	0	4	30	70	-	-	
	हिन्दी आलोचना	26HND-404 DEC-C	4	0	0	4	4	0	0	4	0	0	4	30	70	-	-	
	हिन्दी पत्रकारिता	26HND-404 DEC-D	4	0	0	4	4	0	0	4	0	0	4	30	70	-	-	
PC-4@2 credits	शोध-प्रविधि एवं व्यावहारिक रूप	26HND-406	2	0	0	2	0	0	0	4	0	4	4	-	-	15	35	50
Dissertation/ Project work/ Apprenticeship/ Internship etc.	लघु शोधप्रबंध	26HND-407	0	0	0	12	0	0	0	12	0	0	24	-	-	100	200	300
			10	0	0	22	8	0	0	16	0	0	36	60	140	115	235	550

M.A. HINDI Duration : 4th Semester (2 years)

Ist Semester Credit-22= MARKS=550

2nd Semester Credit-24 MARKS=600

3rd Semester Credit -24 MARKS=600

4th Semester Credit -22 MARKS=550

Total Credit : 92 Total Marks: 2300

Handwritten signature and initials in blue ink.

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

एम.ए. हिन्दी (प्रथम सत्र) सत्र- 2026-27

26HND-101 आधुनिक हिन्दी कविता 1850 से 1936 Course Type (CC)

क्रेडिट : 4

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100

लिखित : 70

आंतरिक मूल्यांकन : 30

कोर्स आउटकम (COs)

1. कविता विधा की विशेष जानकारी छात्रों को देना।
2. भारतेंदु युगीन हिन्दी कविता और आधुनिकता का ज्ञानबोध हो सकेगा।
3. हिन्दी नवजागरण की सम्पूर्ण जानकारी।
4. राष्ट्रीय काव्यधारा के कवि और उनका स्वतंत्रता संग्राम में योगदान
5. छायावाद की पृष्ठभूमि और उसके प्रमुख कवियों की जानकारी मिलेगी।
6. छायावादोत्तर काव्य की जानकारी।

नोट:-

1. प्रथम प्रश्न अनिवार्य है। पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो-दो अंकों का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।
2. इकाई एक और इकाई दो से दो-दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न $14 \div 14 = 28$ अंकों का होगा।
3. इकाई तीन और इकाई चार से रचनाओं और रचनाकारों पर आधारित दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना होगा, जो 14 अंकों का होगा।
4. इकाई- 3 व 4 से चार अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं दो अवतरणों की सन्दर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम-से-कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 7 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न $7 \times 7 = 14$ अंकों का होगा।

इकाई-1

आधुनिकता की अवधारणा और हिन्दी-कविता में आधुनिकता
हिन्दी कविता में नवजागरण
भारतेन्दु युगीन हिन्दी कविता
आधुनिक हिन्दी कविता में राष्ट्रीयता


अध्यक्ष

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

इकाई-2

छायावाद की अवधारणा व पृष्ठभूमि
छायावाद का स्वरूप और प्रवृत्तियाँ
छायावादोत्तर काव्य के प्रमुख कवि
छायावादोत्तर काव्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ

इकाई-3

मैथिलीशरण गुप्त: भारत-भारती वर्तमान खण्ड
अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध – प्रियप्रवास (प्रथम सर्ग 1-10 पद)
जयशंकर प्रसाद: श्रद्धा सर्ग
सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला: राम की शक्तिपूजा

इकाई-4

सुमित्रानंदन पंत – परिवर्तन, प्रथम रश्मि
महादेवी वर्मा – यह मन्दिर का दीप इसे नीरव जलने दो, फिर विकल हैं प्राण मेरे
रामधारी सिंह दिनकर – रश्मिस्थी (तृतीय सर्ग)
सुमद्रा कुमारी चौहान – झोंसी की रानी

संदर्भ पुस्तकें:-

1. रामधारी सिंह दिनकर-आधुनिकता बोध, नेशनल पब्लिशिंग, नई दिल्ली।
2. रामविलास शर्मा-महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिंदी नवजागरण, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. नंद किशोर नवल-आधुनिक हिंदी कविता का इतिहास, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली।
4. रामस्वरूप चतुर्वेदी-कामायनी: एक पुनर्मूल्यांकन, लोकभारती प्रकाशन।
5. रामधारी सिंह दिनकर-रश्मिस्थी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
6. जयशंकर प्रसाद: कामायनी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
7. अयोध्या सिंह उपाध्याय हरिऔध – प्रियप्रवास, खड्गविलास प्रेस, बांकीपुर, पटना।
8. सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला: अनामिका, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. सुमित्रानंदन पंत – पल्लव, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
10. सुमद्रा कुमारी चौहान-मुकुल, हंस प्रकाशन, इलाहाबाद।

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

एम.ए. हिन्दी (प्रथम सत्र) सत्र- 2026-27
26HND-102 हिन्दी कहानी Course Type (CC)

क्रेडिट : 4
समय : 3 घण्टे
पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30

कोर्स आउटकम (COs)

1. विद्यार्थी कहानी की उत्पत्ति व विकास के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
2. विद्यार्थी समकालीन कहानीकारों के मध्य विभिन्न प्रवृत्तियों के आधार पर अन्तर समझ पाएंगे।
3. विद्यार्थी भूमण्डलीकरण के दौर के विभिन्न कहानीकारों की कहानियों में चित्रित समस्याओं से अवगत होंगे।
4. विद्यार्थी कहानी आन्दोलन के विभिन्न चरणों के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
5. विद्यार्थी मूल कहानी के गहन पठन-मनन के द्वारा लेखक की भाषागत, परिवेशगत विशेषताओं को जानते हुए कहानी के मर्म तक पहुँच पाएंगे।

नोट:-

1. प्रथम प्रश्न अनिवार्य है। पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो-दो अंकों का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।
2. इकाई एक और इकाई दो से दो-दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न $14+14=28$ अंकों का होगा।
3. इकाई तीन और इकाई चार से रचनाओं और रचनाकारों पर आधारित दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना होगा, जो 14 अंकों का होगा।
4. इकाई- 3 व 4 से चार अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं दो अवतरणों की सन्दर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम-से-कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 7 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न $7+7=14$ अंकों का होगा।

इकाई-1

हिंदी कहानी अवधारणा: अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप
हिंदी कहानी की विकास यात्रा के चरण
पूर्व प्रेमचन्द युग की हिन्दी कहानी की मूल प्रवृत्तियाँ
प्रेमचन्द युगीन कहानी की प्रवृत्तियाँ

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

इकाई -2

नई कहानी की प्रमुख प्रवृत्तियाँ
विविध कहानी आन्दोलन
हिन्दी कहानी में संवेदना और शिल्प
भूमंडलीकरण के दौर की कहानियों की विशेषताएँ

इकाई - 3

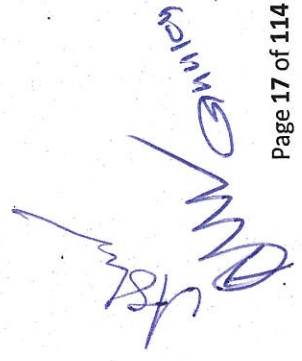
एक टोकरी भर मिट्टी-माधवराव स्त्री
राही -सुमद्रा कुमारी चौहान
उसने कहा था-चन्द्रधर शर्मा गुलेरी
बड़े भाई साहब-प्रेमचन्द
आकाशदीप-जयशंकर प्रसाद
अपना-अपना भाग्य-जैनेन्द्र

इकाई -4

कोसी का घटवार- शेखर जोशी
पिता-ज्ञानरंजन
चीफ की दावत- भीष्म साहनी
लाल पान की बेगम-फणीश्वरनाथ रेणु
सिक्का बदल गया - कृष्णा सोबती
इंस्पेक्टर मातादीन चोंद पर -हरिशंकर परसाई

संदर्भ पुस्तकें :-

1. गोपाल राय-हिंदी कहानी का विकास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. रामविलास शर्मा-प्रेमचन्द और उनका युग, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. देवीशंकर अवस्थी-नई कहानी : संदर्भ एवं पाठ, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. संपादक डॉ. लालचन्द गुप्त 'मंगल', हरियाणा ग्रन्थ अकादमी, पंचकूला।




चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

एम.ए. हिन्दी (प्रथम सत्र) सत्र-2026-27

26HND-103 हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से शैतिकाल तक) **Course Type (CC)**

क्रेडिट : 4

समय : 3घण्टे

पूर्णांक : 100

लिखित : 70

आंतरिक मूल्यांकन : 30

कोर्स आउटकम (COs)

1. हिन्दी साहित्य की इतिहास लेखन परम्परा, कालखण्ड एवं उनके नामकरण का परिचय प्राप्त होगा।
2. छात्रों को आदिकाल, भक्तिकाल, शैतिकाल एवं आधुनिक काल की प्रवृत्तियों, साहित्यकारों एवं उनकी रचनाओं की जानकारी प्राप्त होगी।
3. हिन्दी साहित्य के इतिहास के अध्ययन से छात्र साहित्येतिहास की सामाजिक, राजनीतिक, धार्मिक एवं साहित्यिक परिस्थितियों का ज्ञान प्राप्त कर सकेंगे।
4. विद्यार्थियों को हिन्दी साहित्य की समग्र पृष्ठभूमि से परिचित होने का अवसर मिलेगा।

नोट:-

1. पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो-दो अंक का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।
2. पाठ्यक्रम में निधारित प्रत्येक इकाई में से आंतरिक विकल्प के साथ एक-एक दीर्घ प्रश्न पूछा जाएगा। जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक प्रश्न (कुल 4 प्रश्न) करना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 14 अंक निधारित हैं। पूरा प्रश्न 56 अंक का होगा।

इकाई -1

हिन्दी साहित्येतिहास दर्शन एवं पृष्ठभूमि
हिन्दी साहित्य का काल विभाजन एवं नामकरण
हिंदी साहित्य के इतिहास लेखन की पद्धतियाँ
हिंदी साहित्येतिहास पुनर्लेखन की समस्याएँ

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

इकाई -2

आदिकालः नामकरण एवं युगीन परिस्थितियाँ
आदिकालीन साहित्य की प्रमुख प्रवृत्तियाँ
सिद्ध साहित्य, नाथ साहित्य, जैन साहित्य, रासो साहित्य
अमीर खुसरो की हिन्दी कविता, विद्यापति की पदावली एवं लौकिक साहित्य

इकाई -3

भक्ति-आन्दोलन का अखिल भारतीय स्वरूप
भक्तिकाल आन्दोलन के उदय के सामाजिक, सांस्कृतिक कारण
निर्गुण भक्ति काव्य-धाराएँ, स्वरूप एवं प्रवृत्तियाँ
सगुण भक्ति काव्य-धाराएँ, स्वरूप एवं प्रवृत्तियाँ

इकाई -4

शैतिकाल की पृष्ठभूमि, नामकरण एवं युगीन परिस्थितियाँ
शैतिकाल के प्रमुख कवि और शैतिबद्ध काव्य धारा एवं प्रवृत्तियाँ
शैतिसिद्ध काव्य धारा एवं प्रवृत्तियाँ
शैतिमुक्त काव्य धारा एवं प्रवृत्तियाँ

संदर्भ पुस्तकें:-

1. रामचंद्र शुक्ल-हिंदी साहित्य का इतिहास, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
2. डॉ. नगेन्द्र-हिंदी साहित्य का इतिहास, मयूर पेपर बैक्स, दिल्ली।
3. हजारी प्रसाद द्विवेदी-हिंदी साहित्य का आदिकाल, बिहार राष्ट्रभाषा।
4. हजारी प्रसाद द्विवेदी-हिंदी साहित्य का उद्भव और विकास, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. रामस्वरूप चतुर्वेदी-हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

एम.ए. हिन्दी (प्रथम सत्र) सत्र- 2026-27

26HND-104 भाषा विज्ञान एवं हिन्दी भाषा Course Type (CC)

क्रेडिट : 4

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100

लिखित : 70

आंतरिक मूल्यांकन : 30

कोर्स आउटकम (COs)

1. भाषा विज्ञान के माध्यम से भाषा की संरचना और उच्चारण की जानकारी दे सकेंगे।
2. भाषा के स्वरूप एवं विधियों की जानकारी दे सकेंगे।
3. प्राचीन एवं आधुनिक भाषाओं के साथ अन्य शास्त्रों के सम्बंधों की जानकारी मिल सकेंगी।
4. भाषा के विविध रूपों एवं भारतीय भाषाओं की स्थिति की जानकारी मिलेगी।
5. भाषा में होने वाले सुधारों, खूबियों एवं देवनागरी लिपि की विस्तृत जानकारी मिलेगी।

नोट:-

1. पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो-दो अंक का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।
2. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई में से आंतरिक विकल्प के साथ एक-एक दीर्घ प्रश्न पूछा जाएगा। जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक प्रश्न (कुल 4 प्रश्न) करना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 14 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 56 अंक का होगा।

इकाई -1

भाषा विज्ञान : अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप
भाषा विज्ञान : अध्ययन की पद्धतियाँ
भाषा विज्ञान : अध्ययन की उपयोगिता
भाषा विज्ञान का अन्य शास्त्रों से सम्बंध

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

इकाई- 2

स्वनिम विज्ञान अर्थ, परिभाषा, स्वरूप एवं वर्गीकरण
ध्वनि विज्ञान अर्थ, परिभाषा, स्वरूप एवं ध्वनि परिवर्तन की दिशाएँ
वाक्य विज्ञान अर्थ, परिभाषा, स्वरूप एवं विशेषताएँ
अर्थ विज्ञान अर्थ परिवर्तन की दिशाएँ

इकाई -3

भारतीय आर्यभाषाएँ और हिन्दी भाषा
प्राचीनकालीन भारतीय आर्यभाषाएँ
मध्यकालीन भारतीय आर्यभाषाएँ
आधुनिक भारतीय आर्यभाषाएँ

इकाई -4

हिन्दी की विभिन्न उपभाषाएँ एवं बोलियाँ
हिन्दी के विविध रूप (सर्जनात्मक भाषा, सम्पर्क भाषा, राष्ट्रभाषा, राजभाषा, मातृ भाषा)
हिन्दी की सैवधानिक स्थिति
देवनागरी लिपि की विशेषताएँ और मानकीकरण

संदर्भ पुस्तकें:-

1. भोलानाथ तिवारी-हिन्दी भाषा का इतिहास, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. उदय नारायण तिवारी-भाषा विज्ञान की भूमिका, लोक भारती प्रकाशन।
3. धीरेन्द्र वर्मा-हिन्दी भाषा का इतिहास, हिंदुस्तानी अकादमी, इलाहाबाद।
4. बाबूराम सक्सेना-सामान्य भाषा -विज्ञान, हिन्दी साहित्य सम्मेलन, इलाहाबाद।
5. भोलानाथ तिवारी-भाषा-विज्ञान, किताब महल, इलाहाबाद।

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

एम.ए. हिन्दी (प्रथम सत्र) सत्र- 2026-27

26HND-105-A भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (विशिष्ट रचनाकार) Course Type (DEC)

क्रेडिट : 4

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100

लिखित : 70

आंतरिक मूल्यांकन : 30

कोर्स आउटकम (COs)

1. नवजागरण और भारतेंदु के साहित्य की सम्पूर्ण जानकारी
2. भारतेंदु के साहित्य का विशिष्ट अध्ययन कर सकेंगे।
3. भारतेंदु के साहित्य का मुख्य विन्दुओं की जानकारी ले सकेंगे।
4. भारतेंदु के साहित्य से विद्यार्थी देशभक्ति और राष्ट्रप्रेम का पाठ पढ़ेंगे।
5. भारतेंदु के साहित्य से विद्यार्थी देशभक्ति और राष्ट्रप्रेम का पाठ पढ़ेंगे।

नोट:-

1. प्रथम प्रश्न अनिवार्य है। पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो-दो अंकों का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।
2. इकाई एक और इकाई दो से दो-दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न $14+14=28$ अंकों का होगा।
3. इकाई तीन और इकाई चार से रचनाओं और रचनाकारों पर आधारित दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना होगा, जो 14 अंकों का होगा।
4. इकाई- 3 व 4 से चार अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं दो अवतरणों की सन्दर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम-से-कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 7 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न $7+7=14$ अंकों का होगा।

इकाई-1

भारतेन्दु हरिश्चन्द्र और उनका साहित्य
भारतेन्दु के काव्य में सामाजिक, सांस्कृतिक चेतना
भारतेन्दु के साहित्य में राष्ट्र-वर्तन
स्वदेशी आन्दोलन के प्रेरणा स्रोत भारतेन्दु

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

इकाई-2

भारतेन्दु की नाट्य-कला
हिन्दी पत्रकारिता एवं भारतेन्दु
भारतेन्दु के साहित्य में व्यंग्य का स्वर
भारतेन्दु के साहित्य की प्रवृत्तियों और प्रासंगिकता

इकाई -3

दिल्ली दरबार दर्पण, भारतवर्षोन्नति कैसे हो सकती है
मणिकर्णिका, काशी
हिन्दी कविता
हिन्दी भाषा

इकाई-4

यात्रा वृत्तान्त- सरयू पार की यात्रा
नए जमाने की मुक़रियाँ-पद 1 से 14 तक
अंधेर नगरी (नाटक)
रामायण का समय

संदर्भ पुस्तकें:-

1. हरिश्चंद्र ग्रंथावली, सम्पादक-ओमप्रकाश सिंह, भाग-1, 2, 3, 4, 5, 6, प्रकाशन संस्थान, 4268-B/3 अंसारी रोड, दरियागंज, नयी दिल्ली-110002
2. भारतेन्दु समग्र, हेमंत शर्मा-प्रचारक ग्रंथावली परियोजना, हिंदी प्रचारक संस्थान, वाराणसी
3. भारतेन्दु साहित्य, रामरत्न भटनागर-किताब महल, इलाहाबाद
4. भारतेन्दु हरिश्चंद्र और हिंदी नवजागरण, रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. भारतेन्दु साहित्य, मदन गोपाल-राजपाल एण्ड सन्स
6. भारतेन्दु ग्रंथावली, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

एम.ए. हिन्दी (प्रथम सत्र) सत्र- 2026-27

26HND-105-B प्रेमचन्द (विशिष्ट रचनाकार) Course Type (DEC)

क्रेडिट : 4

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100

लिखित : 70

आंतरिक मूल्यांकन : 30

कोर्स आउटकम (COs)

1. राष्ट्रीय परिदृश्य और प्रेमचन्द के साहित्य की जानकारी मिलेगी।
2. प्रेमचन्द और पत्रकारिता के बारे में जानकारी मिलेगी।
3. प्रेमचन्द के साहित्य में सामाजिक सुधार की भावना से प्रेरित होकर विद्यार्थियों को समाजसेवा की प्रेरणा मिलेगी।
4. प्रेमचन्द के साहित्य को पढ़कर विद्यार्थियों में भी साहित्य के प्रति रूचि बढ़ेगी।
5. प्रेमचन्द के साहित्य में प्रयुक्त सरल, सहज एवं प्रभावशाली भाषा विद्यार्थियों में साहित्य पढ़ने एवं लिखने की रूचि पैदा करेगी।

नोट:-

1. प्रथम प्रश्न अनिवार्य है। पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो-दो अंकों का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।
2. इकाई एक और इकाई दो से दो-दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न 14+14=28 अंकों का होगा।
3. इकाई तीन और इकाई चार से रचनाओं और रचनाकारों पर आधारित दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना होगा, जो 14 अंकों का होगा।
4. इकाई- 3 व 4 से चार अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं दो अवतरणों की सन्दर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम-से-कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 7 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 7+7=14 अंकों का होगा।

इकाई -1

प्रेमचन्द के साहित्य का परिचय
राष्ट्रीय परिदृश्य और प्रेमचन्द
प्रेमचन्द और आदर्शोन्मुखी यथार्थवाद
प्रेमचन्द और पत्रकारिता

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

इकाई-2

प्रेमचन्द के साहित्य में किसान विमर्श
प्रेमचन्द के साहित्य में स्त्री विमर्श
प्रेमचन्द की भाषा-शैली
प्रेमचन्द के साहित्य की प्रासंगिकता

इकाई -3

उपन्यास - गोदान

इकाई -4

कहानियाँ -पंच परमेश्वर, ईदगाह, पूस की रात, नमक का दरोगा, कफन, दुनिया का सबसे अनमोल रत्न

संदर्भ पुस्तकें:-

1. प्रेमचन्द और भारतीय किसान, डॉ.रामबक्ष, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. प्रेमचंद, साहित्यिक विवेचन-नंददुलारे वाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन
3. प्रेमचन्द के उपन्यासों का शिल्प विधान, कमल किशोर गोयनका, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
4. प्रेमचन्द की कहानियाँ-मान सरोवर, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

एम.ए. हिन्दी (प्रथम सत्र) सत्र- 2026-27

26HND-105-C जयशंकर प्रसाद (विशिष्ट रचनाकार) Course Type (DEC)

क्रेडिट : 4

समय : 3घण्टे

पूर्णांक : 100

लिखित : 70

आंतरिक मूल्यांकन : 30

कोर्स आउटकम (COs)

1. विद्यार्थी विशेष रूप से प्रसाद की कहानियां, नाटक, उपन्यास आदि विधाओं से परिचित होंगे।
2. विद्यार्थी प्रसाद के साहित्य में नवजागरण से उत्पन्न राष्ट्रीयता की भावना से अवगत होंगे।
3. स्वतंत्रता प्राप्ति के दौरान जयशंकर प्रसाद के योगदान को समझ पाएंगे।
4. विद्यार्थी छायावादी काव्य में जयशंकर प्रसाद की शिल्पगत विशेषताओं की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

नोट

1. प्रथम प्रश्न अनिवार्य है। पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो-दो अंकों का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।
2. इकाई एक और इकाई दो से दो-दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न $14+14=28$ अंकों का होगा।
3. इकाई तीन और इकाई चार से रचनाओं और रचनाकारों पर आधारित दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना होगा, जो 14 अंकों का होगा।
4. इकाई-3 व 4 से चार अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं दो अवतरणों की सन्दर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम-से-कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 7 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न $7+7=14$ अंकों का होगा।

इकाई -1

जयशंकर प्रसाद और उनका साहित्य
नवजागरण, राष्ट्रीयता और प्रसाद
छायावादी काव्य दृष्टि और प्रसाद
प्रसाद का इतिहास-बोध

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

इकाई-2

प्रसाद की दार्शनिक चेतना
कामायनी का रूपक-तत्त्व
प्रसाद की नाट्य चेतना एवं शिल्प
प्रसाद की भाषा-शैली

इकाई-3

ऑसू (निर्धारित कविताएँ) - इस करुणा दलित हृदय में, जो घनीभूत पीड़ा थी,
मुख-कमल समीप सजे थे, सबका निचोड़ लेकर तुम
लहर (निर्धारित कविताएँ) बीती विभावरी जाग री,
जागों जीवन के प्रभात, ले चल मुझे बुलावा देकर,
अरुण यह मधुमय देश हमारा
कामायनी इड़ा सर्ग (पहले 1-25 पद)

इकाई-4

कहानियाँ : ग्रामपुरस्कार, ओंधी, गुंडा, मधुआ
नाटक : चन्द्रगुप्त

संदर्भ पुस्तकें:-

1. नया साहित्य: नये प्रश्न : आचार्य नंददुलारे वाजपेयी-मैकमिलन प्रेस, नई दिल्ली
2. प्रसाद का काव्य : प्रेमशंकर-भारती भण्डार, इलाहाबाद
3. छायावाद : नामवर सिंह-राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. प्रसाद का गद्य साहित्य : डॉ राममणि शर्मा
5. प्रसाद के नाटकों का शास्त्रीय अध्ययन : डॉ जगन्नाथ प्रसाद

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

एम.ए. हिन्दी (प्रथम सत्र) सत्र- 2026-27

26HND-105-D सविदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' (विशिष्ट रचनाकार) Course Type (DEC)

क्रेडिट : 4

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100

लिखित : 70

आंतरिक मूल्यांकन : 30

कोर्स आउटकम (COs)

1. विद्यार्थियों को साहित्य में मनोवैज्ञानिकता से परिचित कर सकेंगे।
2. विद्यार्थियों को विशेष रूप से अज्ञेय की साहित्यिक दृष्टि से परिचित करा सकेंगे।
3. विद्यार्थियों को अज्ञेय की विचारधारा व स्त्री-दृष्टि से अवगत कर सकेंगे।
4. अज्ञेय की भाषा-शैली, शिल्प, प्रकृति-चित्रण, बिम्ब आदि से अवगत कर सकेंगे।
5. अज्ञेय के दृष्टिकोण से आधुनिकता की अवधारणा से विद्यार्थियों को अवगत करा सकेंगे।

नोट:-

1. प्रथम प्रश्न अनिवार्य है। पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो-दो अंकों का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।
2. इकाई एक और इकाई दो से दो-दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न 14+14=28 अंकों का होगा।
3. इकाई तीन और इकाई चार से रचनाओं और रचनाकारों पर आधारित दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना होगा, जो 14 अंकों का होगा।
4. इकाई- 3 व 4 से चार अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं दो अवतरणों की सन्दर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम-से-कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 7 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 7+7=14 अंकों का होगा।

इकाई -1

अज्ञेय और उनका साहित्य

अज्ञेय के तार सत्तक

अज्ञेय और प्रयोगवाद

अज्ञेय के काव्य में प्रेम और सौंदर्यानुभूति

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

इकाई -2

अज्ञेय की साहित्य दृष्टि और अस्तित्ववाद

अज्ञेय : स्त्री दृष्टि

अज्ञेय के साहित्य में मनोवैज्ञानिक दृष्टिकोण

अज्ञेय की भाषा और शिल्प

इकाई -3

कविताएँ -

असाध्य वीणा

हरी घास पर क्षण भर

कलगी बाजरे की

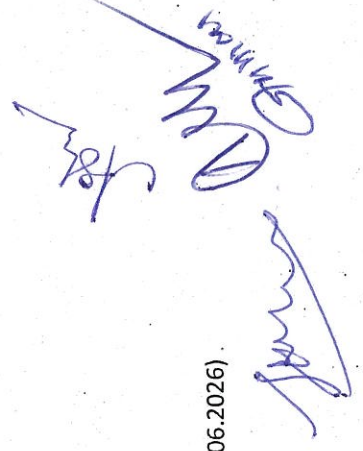
कितनी नावों में कितनी बार

इकाई -4

उपन्यास-शेखर एक जीवनी (भाग -एक)

संदर्भ पुस्तकें:-

1. अज्ञेय : आधुनिक रचना की समस्या, रामस्वरूप चतुर्वेदी-लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. अज्ञेय रचनावली : संकृष्टदत्त पालीवाल-भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
3. अज्ञेय : सं दृविश्वनाथ प्रसाद तिवारी-नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली
4. अज्ञेय का रचना संसार : सं. गंगा प्रसाद विमल-लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
5. अज्ञेय और नई कविता-सं. चन्द्रकला त्रिपाठी-संजय बुक सेंटर, वाराणसी।



चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

एम.ए. हिन्दी (प्रथम सत्र) सत्र- 2026-27

26HND-105-E 'बालमुकुंद गुप्त' (विशिष्ट रचनाकार) Course Type (DEC)

क्रेडिट : 4

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100

लिखित : 70

आंतरिक मूल्यांकन : 30

कोर्स आउटकम (COs)

1. विद्यार्थियों को हरियाणा के साहित्य एवं साहित्यकार बालमुकुंद गुप्त से अवगत होंगे।
2. विद्यार्थियों को विशेष रूप से बालमुकुंद गुप्त की साहित्यिक दृष्टि से अवगत होंगे।
3. विद्यार्थियों को बालमुकुंद गुप्त की विचारधारा से अवगत होंगे।
4. बालमुकुंद गुप्त की भाषा-शैली, शिल्प, प्रकृति-चित्रण, विषय आदि से अवगत होंगे।
5. बालमुकुंद गुप्त के साहित्यिक दृष्टिकोण से विद्यार्थियों को अवगत करवा सकेंगे।

नोट:-

1. प्रथम प्रश्न अनिवार्य है। पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो-दो अंकों का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।
2. इकाई एक और इकाई दो से दो-दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न $14+14=28$ अंकों का होगा।
3. इकाई तीन और इकाई चार से रचनाओं और रचनाकारों पर आधारित दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना होगा, जो 14 अंकों का होगा।
4. इकाई-3 व 4 से चार अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं दो अवतरणों की सन्दर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम-से-कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 7 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न $7+7=14$ अंकों का होगा।

इकाई -1

बालमुकुंद गुप्त का जीवन और साहित्य
नवजागरण के अग्रदूत बालमुकुंद गुप्त
बालमुकुंद गुप्त का साहित्य और लोकजीवन
बालमुकुंद गुप्त का समाज सुधारक रूप

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

इकाई -2

बालमुकुंद गुप्त निबंधकार के रूप में
बालमुकुंद गुप्त व्यंग्यकार के रूप में
बालमुकुंद गुप्त की किसान चेतना
बालमुकुंद गुप्त की भाषा-शैली

इकाई -3

कविता- रेलगाड़ी, विधवा विवाह, खेग की भूतनी, बिकट बिरहनी, होली है,
जोगीड़ा, टेसू कविता की उन्नति, सर सैयद का बुढ़ापा,
पोलिटिकल होली, कर्जनाना, पंजाब में लायल्टी

इकाई -4

शिवशंभु के चिट्ठे-वैसराय का कर्तव्य, पीछे मत फेंकिये, बंग-विच्छेद
हंसी -खुशी, हिन्दी की उन्नति, हिन्दी भाषा की भूमिका

1. के.सी.यादव, बालमुकुंद रचनावली, भाग-2,3,4, हरियाणा का इतिहास एवं संस्कृत अकादमी
2. बालमुकुंद गुप्त निबंधावली, झाबरमल शर्मा व बनारसीदास चतुर्वेदी, गुप्त स्मारक ग्रंथ प्रकाशन समिति, कलकत्ता
3. बालमुकुंद गुप्त ग्रंथावली-नखन सिंह, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला
4. बालमुकुंद गुप्त :संकलित निबंध, कृष्णदत्त पालीवाल, राष्ट्रीय पुस्तक न्यास भारत, दिल्ली।
5. बालमुकुंद गुप्त, मदन गोपाल, साहित्य अकादमी, प्रकाशन, दिल्ली।
6. बालमुकुंद गुप्त: जीवन, सृजन और मूल्यांकन, सम्पादक-प्रोफसर सुभाष चन्द्र
7. बाल साहित्यकार: बालमुकुंद गुप्त, सम्पादक-प्रोफसर सुभाष चन्द्र
8. देस हरियाणा, अंक -26 बालमुकुंद गुप्त विशेषांक, सम्पादक-प्रोफसर सुभाष चन्द्र

Handwritten signature and stamp

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

एम.ए. हिन्दी (प्रथम सत्र) सत्र- 2026-27

26HND-106 हिन्दी में विज्ञापन लेखन-कौशल Course Type (PC-1)

क्रेडिट : 2
पूर्णांक : 50
प्रैक्टिकल : 35
आन्तरिक मूल्यांकन : 15

कोर्स आउटकम (COs)

1. हिन्दी में विज्ञापन लेखन से विद्यार्थियों में रोजगार की संभावनाएं बढ़ेंगी।
2. विद्यार्थी को इस प्रायोगिक पेपर के माध्यम से विभिन्न प्रकार के विज्ञापनों की जानकारी मिलेगी।
3. विद्यार्थी विज्ञापन लेखन की प्रस्तुति PPT Power Point Presentation के माध्यम से दे सकते हैं जिससे वे तकनीक के साथ जुड़ेंगे।
4. इस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी विभिन्न प्रकार के विज्ञापनों से स्वरोजगार भी शुरू कर सकते हैं।

नोट :- इसमें विद्यार्थी अपने अध्यापक की सहायता से या स्वयं चयनित किन्हीं पाँच विषयों पर विज्ञापन लिखेंगे। विद्यार्थी उसकी एक प्रैक्टिकल फाइल भी प्रस्तुत करेंगे। संबंधित अध्यापक उसका निरीक्षण करेंगे, जिसके आधार पर उनकी मौखिक परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। मौखिक परीक्षा विश्वविद्यालय द्वारा नियुक्त बाह्य विषय- विशेषज्ञ द्वारा ली जायेगी। जिसके आधार पर विद्यार्थी का मूल्यांकन किया जाएगा।

विषय-वस्तु :-

1. राष्ट्रीय /सरकारी विज्ञापन
2. सामाजिक विज्ञापन
3. आर्थिक विज्ञापन
4. व्यावसायिक विज्ञापन
5. पारिवारिक विज्ञापन इत्यादि
6. समसामयिक विषयों पर आधारित विज्ञापन

प्रायोगिक कार्य प्रस्तुतिकरण-20 अंक

मौखिक परीक्षा-15 अंक

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

एम.ए. हिन्दी (द्वितीय सत्र) सत्र- 2026-27

26HND-201 आधुनिक हिन्दी कविता-1936 से 1960 Course Type (CC)

समय : 3 घण्टे

क्रेडिट : 4

पूर्णांक : 100

लिखित : 70

आंतरिक मूल्यांकन : 30

कोर्स आउटकम (COs)

1. आधुनिक हिन्दी कविता के अन्तर्गत राजनैतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिदृश्य की जानकारी मिलेगी।
2. प्रयोगवाद के तारसप्तक का महत्त्व, युगबोध एवं सौंदर्य बोध की जानकारी मिलेगी।
3. नई कविता के प्रमुख कवि, प्रवृत्तियाँ, आंदोलन, युगबोध की जानकारी मिलेगी।
4. छायावादोत्तर काव्य की जानकारी प्राप्त करेंगे।
5. आधुनिक कवियों नागार्जुन, केदारनाथ सिंह, राजकमल चौधरी, श्रीकान्त वर्मा की नवीन कविताओं की जानकारी प्राप्त करेंगे।
6. उपर्युक्त कवियों की कविताओं के आधार पर आधुनिक युग बोध की जानकारी मिलेगी।

नोट:-

1. प्रथम प्रश्न अनिवार्य है। पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो-दो अंकों का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।
2. इकाई एक और इकाई दो से दो-दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न 14+14=28 अंकों का होगा।
3. इकाई तीन और इकाई चार से रचनाओं और रचनाकारों पर आधारित दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना होगा, जो 14 अंकों का होगा।
4. इकाई- 3 व 4 से चार अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं दो अवतरणों की सन्दर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम-से-कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 7 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 7+7=14 अंकों का होगा।

इकाई -1

राष्ट्रीय -सांस्कृतिक काव्यधारा
छायावादोत्तर काव्य का राजनीतिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक परिवेश
छायावादोत्तर काव्य के कवि और प्रमुख प्रवृत्तियाँ
प्रगतिवाद : अर्थ, प्रवृत्तियाँ, युगबोध एवं सौन्दर्यबोध

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

इकाई- 2

प्रयोगवाद : अर्थ, युगबोध, सौन्दर्यबोध और प्रयोगधर्मिता
तारसलक के प्रमुख कवि और उनका महत्त्व
नई कविता का अर्थ, नामकरण एवं प्रवृत्तियाँ
नई कविता एवं अन्य समसामयिक काव्य आन्दोलन

इकाई-3

रामधारी सिंह दिनकर: (उर्वशी तृतीय सर्ग)
अज्ञेय : यह दीप अकेला नदी के द्वीप
गजानन माधव मुक्तिबोध : अंधरे में, भूल-गलती
भवानी प्रसाद मिश्र : गीत फरोश, गाँव, सतपुड़ा के जंगल
इकाई-4

नागार्जुन-अकाल और उसके बाद, बादल को धिरते देखा है
केदारनाथ सिंह-वनारस, एक पारिवारिक प्रश्न
राजकमल चौधरी-मुक्तिप्रसंग
श्रीकांत वर्मा-माधव

संदर्भ पुस्तकें:-

1. नयी कविता और अस्तित्ववाद : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन प्रा. लि., नई दिल्ली
2. आधुनिक हिंदी साहित्य की प्रवृत्तियाँ : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन प्रा. लि. नई दिल्ली
3. कविता के नये प्रतिमान : नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन प्रा. लि. नई दिल्ली
4. एक साहित्यिक की ज़रूरी : गजानन माधव मुक्तिबोध, भारतीय ज्ञानपीठ, दिल्ली
5. कल्पना उर्वशी विवाद : सं0 गोपेश्वर सिंह, वाणी प्रकाशन, दिल्ली

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

एम.ए. हिन्दी (द्वितीय सत्र) सत्र- 2026-27
26HND-202 हिन्दी नाटक एवं रंगमंच Course Type (CC)

क्रेडिट : 4
समय : 3 घण्टे
पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30

कोर्स आउटकम (COs)

1. नाटक और रंगमंच के ऐतिहासिक परिपेक्ष्य के द्वारा नाटक के सैद्धान्तिक और व्यावहारिक पक्ष की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
2. हिन्दी के प्रमुख नाटकों और नाटककारों के माध्यम से सामाजिक यथार्थ का चित्रण।
3. हिन्दी नाटकों के माध्यम से समाज को सही दिशा की ओर अग्रसर करने की चेष्टा।
4. वैश्विक परिदृश्य में राष्ट्रीय जागरूकता की चेतना प्रदान कर सकेंगे।
5. हिन्दी नाटकों के माध्यम से तत्कालीन युगबोध की जानकारी मिलेगी।

नोट:-

1. प्रथम प्रश्न अनिवार्य है। पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो-दो अंकों का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।
2. इकाई एक और इकाई दो से दो-दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न $14+14=28$ अंकों का होगा।
3. इकाई तीन और इकाई चार से रचनाओं और रचनाकारों पर आधारित दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना होगा, जो 14 अंकों का होगा।
4. इकाई- 3 व 4 से चार अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं दो अवतरणों की सन्दर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम-से-कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 7 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न $7+7=14$ अंकों का होगा।

इकाई-1

हिन्दी नाटक का उद्भव और विकास
हिन्दी रंगमंच का उद्भव और विकास
प्रसाद-पूर्व युगीन नाटक
प्रसाद एवं प्रसादोत्तर युगीन नाटक

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

इकाई-2

भारतेन्दु हरिश्चन्द्र के नाटकों में राष्ट्रीयता
जयशंकर प्रसाद के नाटकों में सांस्कृतिक चेतना
धर्मवीर भारती का नाट्यशिल्प और अस्तित्ववादी चेतना
शंकर शेष के नाटकों की वर्तमान प्रासंगिकता

इकाई-3

भारत दुर्दर्शा-भारतेन्दु हरिश्चन्द्र

रकरंगुप्त-जयशंकर प्रसाद

इकाई-4

धर्मवीर भारती-अंधायुग

शंकर शेष- एक और द्रोणाचार्य

संदर्भ पुस्तकें:-

1. भारतेन्दु हरिश्चन्द्र और हिन्दी नवजागरण की समस्या : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन प्रा. लि. नई दिल्ली
2. भारतेन्दु युग और हिन्दी भाषा की समस्या : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन प्रा. लि. नई दिल्ली
3. प्रसाद के नाटकों का भाषाशास्त्रीय अध्ययन : जगनाथ शर्मा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. हिन्दी नाटक उद्भव और विकास : दशरथ ओझा, राजपाल एंड सन्स, दिल्ली
5. भारत दुर्दर्शा-भारतेन्दु हरिश्चन्द्र, राजकमल प्रकाशन प्रा. लि. नई दिल्ली
6. धुवस्वामिनी-जयशंकर प्रसाद, राजकमल प्रकाशन प्रा. लि. नई दिल्ली
7. धर्मवीर भारती-अंधायुग, राजकमल प्रकाशन प्रा. लि. नई दिल्ली
8. शंकर शेष- एक और द्रोणाचार्य, राजकमल प्रकाशन प्रा. लि. नई दिल्ली

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

एम.ए. हिन्दी (द्वितीय सत्र) सत्र- 2026-27

26HND-203 हिन्दी साहित्य का इतिहास (आधुनिक काल) **Course Type (CC)**

क्रेडिट : 4

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100

लिखित : 70

आंतरिक मूल्यांकन : 30

कोर्स आउटकम (COs)

1. विद्यार्थी हिन्दी गद्य के उद्भव, विकास और विभिन्न विधाओं की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
2. विद्यार्थियों 1857 की क्रांति और सांस्कृतिक पुर्नजागरण के साथ-साथ भारतेन्दु व द्विवेदी युग के प्रमुख गद्यकारों की जानकारी मिलेगी। आधुनिक काल के सभी कवियों की जानकारी मिलेगी।
3. छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद व नई कविता के प्रमुख कवि उनके काव्य के विविध पक्षों और प्रवृत्तियों को जान सकेंगे।

नोट:-

1. पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो-दो अंक का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।
2. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई में से आंतरिक विकल्प के साथ एक-एक दीर्घ प्रश्न पूछा जाएगा। जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक प्रश्न (कुल 4 प्रश्न) करना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 14 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 56 अंक का होगा।

इकाई-1

हिन्दी गद्य का उद्भव और विकास

1857 की क्रांति और सांस्कृतिक पुर्नजागरण

भारतेन्दु और उनका युग

महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण : प्रमुख गद्य लेखक

इकाई-2

छायावाद के प्रमुख कवि, काव्य और प्रवृत्तियाँ

प्रगतिवाद के प्रमुख कवि और प्रवृत्तियाँ

प्रयोगवाद के मुख्य कवि और प्रवृत्तियाँ

नई कविता एवं समकालीन कविता के प्रमुख कवि व प्रवृत्तियाँ

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

इकाई-3

कहानी और उपन्यास का उद्भव व विकास
नाटक और एकांकी का उद्भव व विकास
निबन्ध का उद्भव व विकास
आलोचना उद्भव व विकास

इकाई-4

आत्म-कथा, जीवनी उद्भव व विकास
संस्मरण, रेखाचित्र उद्भव व विकास
रिपोर्ताज, यात्रा साहित्य उद्भव व विकास
छावरी उद्भव व विकास

संदर्भ पुस्तकें:-

1. हिन्दी साहित्य का इतिहास : रामचन्द्र शुक्ल, नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
2. हिन्दी साहित्य: उद्भव और विकास : इजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन प्रा. लि., नई दिल्ली
3. महावीर प्रसाद द्विवेदी और हिन्दी नवजागरण : रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन प्रा.लि., नई दिल्ली
4. हिन्दी साहित्य और संवेदना का इतिहास : रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद
5. हिन्दी साहित्य का दूसरा इतिहास : बच्चन सिंह, राजकमल प्रकाशन प्रा. लि., नई दिल्ली
6. हिन्दी साहित्य का बृहत् इतिहास, नगेन्द्र, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

एम.ए. हिन्दी (द्वितीय सत्र) सत्र- 2026-27
26HND-204 हिन्दी उपन्यास Course Type (CC)

क्रेडिट : 4
समय : 3 घण्टे
पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30

कोर्स आउटकम (COs)

1. विद्यार्थी हिन्दी उपन्यास की अवधारणा को समझते हुए भारतीय परिवेश में प्रेमचन्द युगीन उपन्यास के महत्व को जान पाएंगे।
2. हिन्दी उपन्यासों के माध्यम से विद्यार्थी विभिन्न विमर्शों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
3. समकालीन हिन्दी उपन्यासों की प्रवृत्तियों को जानते हुए प्रेमचन्द पूर्व हिन्दी उपन्यास व समकालीन हिन्दी उपन्यास में व्याप्त अन्तर को स्पष्ट रूप से समझ पाएंगे।
4. विद्यार्थी भूमण्डलीकरण के दौर के उपन्यासों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

नोट:-

1. प्रथम प्रश्न अनिवार्य है। पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो-दो अंकों का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।
2. इकाई एक और इकाई दो से दो-दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न 14+14=28 अंकों का होगा।
3. इकाई तीन और इकाई चार से रचनाओं और रचनाकारों पर आधारित दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना होगा, जो 14 अंकों का होगा।
4. इकाई- 3 व 4 से चार अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं दो अवतरणों की सन्दर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम-से-कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 7 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 7+7=14 अंकों का होगा।

इकाई-1

हिन्दी उपन्यास का सामान्य परिचय
पूर्व प्रेमचन्दयुगीन हिन्दी-उपन्यास
प्रेमचन्दयुगीन हिन्दी-उपन्यास
प्रेमचन्द परवर्ती उपन्यास

Handwritten signatures and initials in blue ink.

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

इकाई-2

देश विभाजन और हिन्दी उपन्यास
स्त्री उपन्यास लेखनः विकास यात्रा
दलित उपन्यास लेखनः विकास यात्रा
भूमण्डलीकरण और हिन्दी उपन्यास

इकाई-3

पं. गौरीदत्त : देवराणी जेठानी की कहानी
रागदरबारी : श्रीलाल शुक्ल
इकाई-4

धरती धन न अपना-जगदीशचन्द्र
आपका बंटी- मन्नु भंडारी

संदर्भ पुस्तकें:-

1. हिन्दी उपन्यास एक अंतरयात्रा-समदरश मिश्र, राजकमल प्रकाशन प्रा. लि., नई दिल्ली
2. प्रेमचन्द और उनका युग-रामविलास शर्मा, राजकमल प्रकाशन प्रा. लि., नई दिल्ली
3. कथा समय-विजय मोहन, राधाकृष्ण प्रकाशन नई दिल्ली
4. प्रेमचन्द पूर्व के हिन्दी उपन्यास-ज्ञानचंद जैन, आर्य प्रकाशन मण्डल
5. अज्ञेय और उनके उपन्यास-गोपाल राय, ग्रंथ निकेतन, पटना
6. परीक्षा गुरु : लाला श्री निवासदास, कलकत्ता-पुरतक भंडार, कलकत्ता
7. रागदरबारी : श्रीलाल शुक्ल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
8. धरती धन न अपना-जगदीशचन्द्र, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
9. आपका बंटी- मन्नु भंडारी, राधाकृष्ण प्रकाशन, पेरवैद, नई दिल्ली

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

एम.ए. हिन्दी (द्वितीय सत्र) सत्र-2026-27

26HND-205-A लोक साहित्य :सन्दर्भ एवं पाठ Course Type (DEC)

क्रेडिट : 4
समय : 3 घण्टे
पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30

कोर्स आउटकम (COs)

1. लोकसाहित्य द्वारा विद्यार्थी विभिन्न प्रदेशों के लोक साहित्य का अध्ययन कर सकेंगे।
2. लोकसाहित्य के विशिष्ट लेखकों, कवियों, निबन्धकारों आदि के बारे में जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
3. लोकसाहित्य के द्वारा लोकसंस्कृत से प्रभावित होकर विभिन्न लोक विधाओं का प्रचार करेंगे।
4. लोकसाहित्य में आने वाली चुनौतियों एवं संरक्षण संबंधी समस्याओं की जानकारी प्राप्त करेंगे।
5. लोकगीतों, कहानियों, सांगों, नृत्यों में रचि-बसी भारतीय संस्कृति की जानकारी प्राप्त करके भारतीय संस्कृति का प्रचार-प्रसार करेंगे।

नोट:-

1. प्रथम प्रश्न अनिवार्य है। पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो-दो अंकों का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।
2. इकाई एक और इकाई दो से दो-दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न 14+14=28 अंकों का होगा।
3. इकाई तीन और इकाई चार से रचनाओं और रचनाकारों पर आधारित दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना होगा, जो 14 अंकों का होगा।
4. इकाई- 3 व 4 से चार अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं दो अवतरणों की सन्दर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम-से-कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 7 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 7+7=14 अंकों का होगा।

इकाई-1

लोक-साहित्य का अर्थ, परिभाषा और स्वरूप
लोक-साहित्य का इतिहास
लोक-संस्कृति और लोक-साहित्य
लोक-साहित्य : परम्परा एवं प्रयोग

उत्पादित
[Handwritten signature]

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

इकाई-2

लोकगीत, लोककथा, लोकनाट्य अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप
लोक साहित्य के अध्ययन की प्रक्रिया
लोक साहित्य के संकलन की विधियाँ
लोक साहित्य एवं दस्तावेजीकरण की समस्याएँ

इकाई-3

मीराबाई : लखमीचंद (लखमीचंद ग्रंथावली)

इकाई-4

हरियाणवी : उद्भव और विकास
हरियाणवी उपबोलियों का परिचय
हरियाणा के लोकगीत-
ऋतु गीत-खण्ड-1, सावन के गीत -1से 5, फागुन के गीत -1से 5, संस्कार-गीत खण्ड-2, पुत्र जन्म के गीत- 1से 5, विवाह गीत : 1से 5
पुरतक का शीर्षक : (हरियाणा के लोकगीत, लेखक : साधुराम शारदा)

संदर्भ पुस्तकें:-

1. हरियाणवी और उसकी बोलियों का अध्ययन : डॉ० पूर्णचन्द शर्मा, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला
2. हरियाणा प्रदेश का लोक साहित्य : डॉ० शंकरलाल यादव, हरियाणा साहित्य अकादमी पंचकूला
3. हरियाणवी साहित्य का इतिहास: डॉ० बाबूराम, एवं रघुवीर मथाना, लक्ष्मण साहित्य प्रकाशन, रोहतक
4. हरियाणवी भाषा और साहित्य : डॉ० बाबूराम, हरियाणा ग्रन्थ अकादमी, पंचकूला
5. हरियाणा के लोकगीत : साधुराम शारदा, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

एम.ए. हिन्दी (द्वितीय सत्र) सत्र-2026-27

26HND-205-B हरियाणा का हिन्दी साहित्य **Course Type (DEC)**

क्रेडिट : 4

समय : 3 घण्टे

पूर्णांक : 100

लिखित : 70

आंतरिक मूल्यांकन : 30

कोर्स आउटकम (COs)

1. हरियाणा की प्रतिनिधि कहानियों व कहानीकारों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
2. हरियाणवी साहित्य के अन्तर्गत खण्डकाव्य, मुक्तक काव्य, निबंध, आलोचना आदि की परम्परा एवं प्रवृत्तियों को जान पाएंगे।
3. विद्यार्थी हरियाणा की लोक संस्कृति से जुड़कर हरियाणा के कवियों से संबंधित जानकारी प्राप्त करेंगे।
4. विद्यार्थी हरियाणवी कहानियों के माध्यम से समाज में व्याप्त विभिन्न समस्याओं एवं उनके समाधान से अवगत हो सकेंगे।

नोट:-

1. प्रथम प्रश्न अनिवार्य है। पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो-दो अंकों का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।
2. इकाई एक और इकाई दो से दो-दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न $14+14=28$ अंकों का होगा।
3. इकाई तीन और इकाई चार से रचनाओं और रचनाकारों पर आधारित दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना होगा, जो 14 अंकों का होगा।
4. इकाई- 3 व 4 से चार अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं दो अवतरणों की सन्दर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम-से-कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 7 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न $7+7=14$ अंकों का होगा।

इकाई-1

खण्ड काव्य : परम्परा एवं प्रवृत्तियाँ
मुक्तक काव्य : परम्परा एवं प्रवृत्तियाँ
निबंध : परम्परा एवं प्रवृत्तियाँ
आलोचना : परम्परा एवं प्रवृत्तियाँ

इकाई-2

उपन्यास : परम्परा एवं प्रवृत्तियाँ
कहानी : परम्परा एवं प्रवृत्तियाँ
लघु कथा : परम्परा एवं प्रवृत्तियाँ
बाल-साहित्य : परम्परा एवं प्रवृत्तियाँ

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

इकाई-3

हरियाणा की प्रतिनिधि कविताएँ, सम्पादक माधव कौशिक, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला
निर्धारित कवियों की कविताएँ:-

1. सूरदास -पद 1-5
2. जयनाथ नलिन -बसेरा और विहार, मर गई इत्सानियत
3. उदयभानु हंस- मानव प्रेम, उद्बोधन गीत, मंजिल दूर नहीं
4. भगवानदास निर्मोही-टूटे पहियों का रथ, हम सब विदूषक हैं
5. लीलाधर वियोगी- शकुनि का अन्तर्द्वन्द्व, भीष्म ने कहा था

निर्धारित खण्डकाव्य :- सरोज दहिया-‘प्रेम-परी’ - प्रथम सर्ग

इकाई-4

हरियाणा की प्रतिनिधि कहानियाँ, सम्पादक लालचंद गुप्त ‘मंगल’, हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला पुस्तक से निर्धारित कहानियाँ:-

1. विश्वंभरनाथ शर्मा ‘कौशिक’-लाई
2. विष्णु प्रभाकर - धरती अब भी घूम रही है
3. बैजनाथ सिंहल -वेन के टुकड़े
4. रोहिणी अग्रवाल -विमती
5. भगवानदास मोरवाल -महराव

निर्धारित निबन्ध - प्रो. बाबूराम -‘सनातन सन्देश’ पुस्तक से

1. सनातन-संदेश 2. भारतीय साहित्य की विविधता में एकता

संदर्भ ग्रंथ:-

1. ‘सदसिन्धु’ हरियाणा साहित्य (विशेषांक), भाषा विभाग हरियाणा, चण्डीगढ़, पंचकूला 1968
2. हिन्दी साहित्य को हरियाणा का योगदान, शशिभूषण सिंहल एवं सत्यपाल गुप्त, हरियाणा साहित्य अकादमी चण्डीगढ़, पंचकूला 1991
3. हरियाणा में रचित सृजनात्मक हिन्दी साहित्य, रामनिवास मानव, कृति प्रकाशन, दिल्ली एवं हिसार 1999
4. हरियाणा का हिन्दी साहित्य, लालचंद गुप्त ‘मंगल’ हरियाणा साहित्य अकादमी, पंचकूला।
5. प्रेम-परी, सरोज दहिया, सरोज प्रकाशन, हलालपुर, हरियाणा
6. सनातन सन्देश, प्रो. बाबूराम, लता सदन गाजियाबाद, उत्तर प्रदेश

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

एम.ए. हिन्दी (द्वितीय सत्र) सत्र-2026-27
26HND-205-C आधुनिक भारतीय साहित्य Course Type (DEC)

क्रेडिट : 4
समय : 3 घण्टे
पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30

कोर्स आउटकम (COs)

1. भारतीय साहित्य की अवधारणा को समझते हुए भारतीय साहित्य में निहित मूल्यों को समझ पाएंगे।
2. विभिन्न भाषाओं में निहित साहित्य व ज्ञान से परिचित होंगे।
3. विद्यार्थी विभिन्न भाषाओं की भाषा-शैली उदाहरण के लिए पंजाबी, बांग्ला, मराठी, तेलगू, उर्दू कन्नड़ आदि से परिचित होंगे। जिससे उनका शब्द-भंडार समृद्ध होगा।
4. विद्यार्थी विभिन्न भाषाओं के साहित्य में निहित मूल्यों से परिचित होंगे।
5. विद्यार्थियों में विभिन्न भाषाओं के साहित्य को पढ़ने की रुचि उत्पन्न होगी।

नोट:-

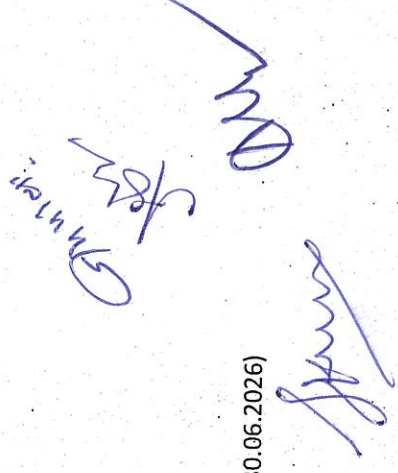
1. प्रथम प्रश्न अनिवार्य है। पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो-दो अंकों का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।
2. इकाई एक और इकाई दो से दो-दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न 14+14=28 अंकों का होगा।
3. इकाई तीन और इकाई चार से रचनाओं और रचनाकारों पर आधारित दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना होगा, जो 14 अंकों का होगा।
4. इकाई- 3 व 4 से चार अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं दो अवतरणों की सन्दर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम-से-कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 7 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 7+7=14 अंकों का होगा।

इकाई-1

भारतीय साहित्य की अवधारणा और स्वरूप
भारतीय साहित्य के अध्ययन की समस्याएँ
भारतीय साहित्य में मूल्यों की अभिव्यक्ति
भारतीय साहित्य में आज के भारत का विम्ब

इकाई-2

पुनरासम : नरेन्द्र कोहली
मढ़ी की दीवा : गुरदयाल सिंह



दौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

इकाई-3

गोरा : रविन्द्रनाथ ठाकुर
घासीराम कोतवाल : विजय तेन्दुलकर

इकाई-4

भारत तीर्थ, रवीन्द्रनाथ टैगोर
(अनुवाद एवं संपादन : हजारी प्रसाद द्विवेदी-साहित्य अकादमी, दिल्ली)
गालिब : कोई उम्मीद घर नहीं आती, हजारों ख़ाहिशे ऐसी कि हर ख़ाहिश पे दम निकल लेरे (सं. अली सरदार जाफरी, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली)
संदर्भ पुस्तकें:-

1. संस्कृति के चार अध्याय : रामधारी सिंह दिनकर-उदयांचल प्रकाशन, पटना
2. भारतीय राष्ट्रवाद के उदय की सामाजिक, सांस्कृतिक पृष्ठभूमि: ए. आर. देसाई-मैकमिलन प्रकाशन, नई दिल्ली
3. आधुनिक भारतीय चिंतन : विश्वनाथ कुमारवड राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. मल्लुजय रवीन्द्रनाथ : हजारीप्रसाद द्विवेदी-राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. गालिब की कविता : कृष्ण गौड़-नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
6. नरेन्द्र कोहली, पुनरासन्न, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली। :

General

Jelk

pmw

Sharma

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

एम.ए. हिन्दी (द्वितीय सत्र) सत्र-2026-27
26HND-205-D प्रवासी साहित्य Course Type (DEC)

क्रेडिट : 4
समय : 3 घण्टे
पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30

कोर्स आउटकम (COs)

1. प्रवासी साहित्य की अवधारणा से विद्यार्थियों को परिचित करवा सकेंगे।
2. प्रवासी साहित्य और साहित्यकारों की जानकारी दे सकेंगे।
3. भारतीय और विदेशी सम्प्रदाय-संस्कृति का बोध करवा सकेंगे।
4. हिन्दी में प्रवासी साहित्यकारों के योगदान से अवगत करवा सकेंगे।
5. प्रवास में प्रवासी साहित्यकारों के साथ हुए व्यवहार से अवगत करवा सकेंगे।
6. प्रवासी साहित्यकारों के समर्पण व राष्ट्र-प्रेम भाव से किए लेखन से विद्यार्थियों को गर्व का अनुभव करवा सकेंगे।

नोट:-

1. प्रथम प्रश्न अनिवार्य है। पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो-दो अंकों का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।
2. इकाई एक और इकाई दो से दो-दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न 14+14=28 अंकों का होगा।
3. इकाई तीन और इकाई चार से रचनाओं और रचनाकारों पर आधारित दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना होगा, जो 14 अंकों का होगा।
4. इकाई- 3 व 4 से चार अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं दो अवतरणों की सन्दर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम-से-कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 7 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 7+7=14 अंकों का होगा।

इकाई-1

प्रवासी साहित्य का अर्थ, अवधारणा, स्वरूप और विकास

प्रवासी साहित्य की प्रवृत्तियाँ

प्रवासी साहित्य के प्रमुख रचनाकार

प्रवासी साहित्य में युग बोध

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

इकाई-2

हिन्दी में प्रवासी-लेखन

प्रवासी-साहित्य और भारतीयता

प्रवासी-साहित्य और मानवता

प्रवासी साहित्यकारों का साहित्य में योगदान

इकाई-3

प्रवासी कविताएं -

डॉ. अंजना संधीर - अमेरिका हड़िड़यों में जम जाता है, संस्कार कभी नहीं डूबते
कथा साहित्य -

अभिमन्यु अनंत - अंधेरे में आदमी, शिष्टाचार के साथ

डॉ. सुरेशचन्द्र शुक्ल - आदर्श एक द्विद्वारा

तजेन्द्र शर्मा :- कोख का किराया :

सैल अग्रवाल :- घर का ठेठ :

इकाई-4

सुषम बेदी :- हवन (उपन्यास- अभिलेखि प्रकाशन, नई दिल्ली)

संदर्भ पुस्तकें:-

1. वर्तमान-साहित्य, प्रवासी साहित्य विशेषांक : सं. कुंवर पाल सिंह-अलीगढ़
2. प्रवासी संसार : सं. राकेश पाण्डेय-दिल्ली
3. ब्रिटेन में हिन्दी : उषा राजे सक्सेना-मेधा बुक्स, दिल्ली अन्यथा अंक
4. अभिमन्यु अनंत, एक थाली भर समंदर, प्रभात प्रकाशन, नयी दिल्ली।
5. हवन उपन्यास : सुषम बेदी-अभिलेखि प्रकाशन, दिल्ली
6. डॉ. अंजना संधीर-संगम-काव्य संग्रह, ज्ञान गीता प्रकाशन, दिल्ली

Handwritten signature: HSL

Handwritten signature: Gopal

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

एम.ए. हिन्दी (प्रथम सत्र) सत्र-2026-27

26HND-2025-E साहित्यिक सरोकार **Course Type (DEC)** क्रेडिट : 4

समय: 3 घण्टे

पूर्णांक : 100

लिखित : 70

आंतरिक मूल्यांकन : 30

कोर्स आउटकम (COs)

1. विद्यार्थी साहित्य की मूल अवधारणा से परिचित हो सकेंगे।
2. विद्यार्थी साहित्य का अन्य विद्याओं के साथ क्या संबंध है इसकी जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
3. भाषा की समझ के साथ-साथ विद्यार्थियों को साहित्य सृजन के लिए प्रेरित कर सकेंगे।
4. विद्यार्थियों को साहित्य की समझ के साथ साहित्यिक विकास भी हो सकेगा।
5. साहित्य सृजन हेतु विद्यार्थियों को छंद और अलंकारों के महत्व की जानकारी मिलेगी।

नोट:-

1. पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो-दो अंक का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।
2. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई में से आंतरिक विकल्प के साथ एक-एक दीर्घ प्रश्न पूछा जाएगा। जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक प्रश्न (कुल 4 प्रश्न) करना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 14 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 56 अंक का होगा।

इकाई -1

भाषा और उसका सर्जनात्मक रूप
साहित्य की परिभाषा और स्वरूप
साहित्य का प्रयोजन
साहित्य की प्रेरणा

इकाई -2

साहित्य और संस्कृति
साहित्य और समाज
साहित्य और दर्शन
साहित्य और प्रकृति

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

इकाई — 3

साहित्य और इतिहास
हिन्दी साहित्येतिहास
साहित्य और कलाएँ
शब्द-शक्ति : अर्थ, परिभाषा और प्रकार

इकाई —4

छंद: परिभाषा और भेद
अलंकार: परिभाषा और भेद
विंव: परिभाषा और भेद
प्रतीक: परिभाषा और भेद

संदर्भ पुस्तकें:-

1. मैनेजर पाण्डेय-साहित्य के समाज-शास्त्र की भूमिका, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली ।
2. हजारी प्रसाद द्विवेदी-साहित्य के सहचर, लोक-भारती इलाहाबाद ।
3. भगवतीचरण वर्मा-साहित्य के सिद्धान्त तथा रूप, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
4. नामवर सिंह-आलोचना और विचारधारा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली ।
5. विश्वम्भर मानव-रस, छंद, अलंकार, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद

Handwritten signatures and initials

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

एम.ए. हिन्दी (प्रथम सत्र) सत्र-2026-27

26HND-206 (IKS) भारतीय ज्ञान परंपरा और हिन्दी साहित्य Course Type (CC)

क्रेडिट : 2

समय : 2 घण्टे

पूर्णांक : 50

लिखित : 35

आंतरिक मूल्यांकन : 15

कोर्स आउटकम (COs)

1. भारतीय ज्ञान परंपरा की जानकारी दे सकेंगे।
3. वेद, उपनिषद आदि की जानकारी दे सकेंगे।
4. प्राचीन एवं आधुनिक भाषाओं के साथ अन्य शास्त्रों के सम्बंधों की जानकारी मिल सकेगी।
5. भाषा के विविध रूपों एवं भारतीय भाषाओं की स्थिति की जानकारी मिलेगी।

नोट:-

1. प्रथम प्रश्न अनिवार्य है। पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा। पूरा प्रश्न 7 अंकों का होगा।
2. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई में से आंतरिक विकल्प के साथ दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे। जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक प्रश्न (कुल 2 प्रश्न) करना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 14 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 28 अंक का होगा।

इकाई -1 : भारतीय ज्ञान परंपरा और शास्त्रीय साहित्य का परिचय

भारतीय ज्ञान परंपरा अर्थ, स्वरूप एवं विशेषताएँ।
भारतीय ज्ञान परंपरा में अद्वैतवाद और विशिष्टाद्वैतवाद
रामायण और महाभारत : साहित्यिक और सांस्कृतिक दृष्टिकोण।
काव्यशास्त्र और अलंकार।

इकाई -2 : भक्ति और संत साहित्य

भक्ति आंदोलन का उद्भव और प्रभाव।
प्रमुख संत : कबीर, तुलसीदास
भांधी एवं विवेकानन्द के विचार।
लोक साहित्य और ज्ञान परंपरा का अंतःसंबंध

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

संदर्भ-सूची-

1. भारतीय ज्ञान परंपरा – प्रो. कपिल कपूर।
2. भारतीय दर्शन – डॉ. बलदेव उपाध्याय।
3. संस्कृत साहित्य का इतिहास – डॉ. सत्यव्रत शारंगी।
4. भक्ति आंदोलन और हिन्दी साहित्य – डॉ. नामवर सिंह।
5. भारतीय साहित्य में परंपरा और आधुनिकता – डॉ. रामविलास शर्मा।
6. लोक साहित्य और संस्कृति – डॉ. केदारनाथ सिंह।
7. भारतीय संस्कृति कोश – भारत सरकार प्रकाशन विभाग।
8. भारतीय ज्ञानपरम्परा-इंदिरा गंधी ओपन युनिवर्सिटी पाठ्य सामग्री

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

एम.ए. हिन्दी (द्वितीय सत्र) सत्र- 2026-27
26HND-207 साक्षात्कार लेखन एवं कौशल Course Type (PC)

क्रेडिट : 2
पूर्णांक : 50
प्रेक्टिकल : 35
आंतरिक मूल्यांकन: 15

कोर्स आउटकम (COs)

1. विद्यार्थी को इंटरव्यू/साक्षात्कार विधा की सैद्धान्तिक और व्यावहारिक जानकारी मिलेगी।
2. विद्यार्थी को इंटरव्यू/साक्षात्कार के विभिन्न प्रकारों की जानकारी मिलेगी।
3. विद्यार्थी के अन्दर प्रश्न पूछने से आत्मविश्वास आएगा।

नोट :- इसमें विद्यार्थी किसी एक अध्यापक, साहित्यकार, पत्रकार, समाजसेवक, किसी राष्ट्रीय/अन्तरराष्ट्रीय अवार्ड, पदक विजेता, किसी भी क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य एवं राजनेता आदि का साक्षात्कार लेकर उसकी एक विस्तृत रिपोर्ट संबंधित अध्यापक के पास जमा करवाएगा। जिस व्यक्ति का साक्षात्कार लिया जाएगा विद्यार्थी उस व्यक्ति की फोटो एवं परिचय के साथ एक प्रैक्टिकल फाइल तैयार करेगा। जिसके आधार पर उनकी मौखिक परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। मौखिक परीक्षा विश्वविद्यालय द्वारा नियुक्त बाह्य विषय- विशेषज्ञ द्वारा ली जायेगी। जिसके आधार पर विद्यार्थी का मूल्यांकन किया जाएगा।

विषय-वस्तु :-

1. राजनीतिक समस्या
2. सामाजिक समस्या
3. राष्ट्रीय समस्या
4. आर्थिक समस्या
5. विद्यार्थियों की समस्या
6. समाज के किसी भी ज्वलंत विषय पर साक्षात्कार

प्रायोगिक कार्य प्रस्तुतिकरण-20 अंक

मौखिक परीक्षा-15 अंक

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

एम.ए. हिन्दी (तृतीय सत्र) सत्र— 2026-27
26HND-301 समकालीन हिन्दी कविता Course Type (CC)

क्रेडिट : 4
समय: 3 घण्टे
पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30

कोर्स आउटकम (COS)

1. समकालीन कविता की परिभाषा एवं स्वरूप का विस्तृत जानकारी प्राप्त करेंगे।
2. समकालीन प्रमुख कवियों की जानकारी प्राप्त करके समकालीन प्रवृत्तियों का अध्ययन करेंगे।
3. भूमंडलीकरण और समकालीन कविता के बारे में जानेंगे।
4. समकालीन कविता की सौंदर्य चेतना और हिन्दी-बोध की जानकारी प्राप्त करेंगे।
5. समकालीन कवियों की जानकारी प्राप्त करते हुए कवियों की भाषा शैली एवं काव्य-सौष्ठव की जानकारी प्राप्त करेंगे।

नोट:-

1. प्रथम प्रश्न अनिवार्य है। पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो-दो अंकों का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।
2. इकाई एक और इकाई दो से दो-दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न 14+14=28 अंकों का होगा।
3. इकाई तीन और इकाई चार से रचनाओं और रचनाकारों पर आधारित दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना होगा, जो 14 अंकों का होगा।
4. इकाई- 3 व 4 से चार अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं दो अवतरणों की सन्दर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम-से-कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 7 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 7+7=14 अंकों का होगा।

इकाई -1

समकालीन हिन्दी कविता : अर्थ, परिभाषा और स्वरूप
समकालीन हिन्दी कविता के प्रमुख कवि
समकालीन हिन्दी कविता: प्रवृत्तियाँ
समकालीन हिन्दी कविता में यथार्थ

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

इकाई- 2

समकालीन हिन्दी कविता की सौन्दर्य चेतना
समकालीन हिन्दी कविता में राजनीतिक चेतना
भूमण्डलीकरण और समकालीन हिन्दी कविता
समकालीन हिन्दी कविता की भाषा-शैली

इकाई-3

सुदामा पाण्डेय घूमिल- मोचीराम, अकाल दर्शन, रोटी और संसद
विनोद कुमार शुक्ल-जो मेरे घर कभी नहीं आएंगे, मंगल ग्रह इस समय पृथ्वी के बहुत पास आ गया है
आलोक धन्वा-सफेद रात, गोली दागो पोस्टर
अटल बिहारी वाजपेयी - कदम मिलाकर चलना होगा, स्वतंत्रता दिवस की पुकार

इकाई-4

राजेश जोशी -बच्चे काम पर जा रहे हैं, इत्यादि
अनामिका- बेजगह, सिन्नौ
मंगलेश डबराल- संगतकार, गूढानंद पथिक
कुमार विश्वास -है उनको नमन, विदा लाडो

संदर्भ पुस्तकें -

1. सुदामा पाण्डेय घूमिल : अवधेश प्रधान- साहित्य अकादमी
2. नई साहित्य और इतिहास दृष्टि : मैनेजर पाण्डेय- वाणी प्रकाशन, दिल्ली
3. कविता ने नए प्रतिमान : नामवर सिंह- राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली
4. कवि कह गया है, वाजपेयी -भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
5. आवाज़ भी एक जगह है कविता संग्रह मंगलेश डबराल
6. अटल बिहारी वाजपेयी- मेरी इक्यावन कविताएँ, किताब घर प्रकाशन, नई दिल्ली, प्रथम संस्करण -2020
7. कुमार विश्वास- कोई दिवाना कहता है, फुल सर्किल प्रकाशन नई दिल्ली, प्रथम संस्करण -2007

(Handwritten signature)

(Handwritten signature)

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

एम.ए. हिन्दी (तृतीय सत्र) सत्र- 2026-27
26HND-302 भारतीय काव्यशास्त्र Course Type (CC)

क्रेडिट : 4
पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30
समय : 3 घण्टे

कोर्स आउटकम (COs)

1. विद्यार्थी संस्कृत काव्यशास्त्र के विभिन्न संप्रदायों का अध्ययन कर सकेंगे।
2. काव्य के विभिन्न पक्षों से संबंधित जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
3. विद्यार्थी रस, अलंकार, शैति, ध्वनि, वक्रोक्ति और औचित्य आदि विभिन्न सिद्धान्तों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
4. भारतीय काव्यशास्त्र का उद्भव और विकास की जानकारी मिलेगी।
5. भारतीय काव्यशास्त्र के विभिन्न विद्वानों की जानकारी मिलेगी।

नोट :-

1. पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो-दो अंक का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।
2. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई में से आंतरिक विकल्प के साथ एक-एक दीर्घ प्रश्न पूछा जाएगा जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक प्रश्न (कुल 4 प्रश्न) करना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 14 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 56 अंक का होगा।

इकाई -1

काव्य : अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप
काव्य के लक्षण, काव्य-हेतु, काव्य-भेद, काव्य-प्रयोजन
शब्दशक्ति, काव्यगुण, काव्य-दोष
संस्कृत काव्यशास्त्र के विभिन्न संप्रदाय

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

इकाई- 2

रस : अर्थ, अवधारणा स्वरूप और विकास, रस निष्पत्ति

रस के अवयव, साधारणीकरण

अलंकार संप्रदाय : अर्थ, परिभाषा, अवधारणा स्वरूप और विकास

अलंकार के भेद

इकाई-3

रीति संप्रदाय : अवधारणा, स्वरूप और विकास

रीति के भेद

ध्वनि संप्रदाय: अवधारणा, स्वरूप और विकास

ध्वनि के भेद

इकाई-4

वक्रोक्ति संप्रदाय: अवधारणा, स्वरूप और विकास

वक्रोक्ति के भेद

औचित्य संप्रदाय- अवधारणा स्वरूप और विकास

औचित्य के भेद

संदर्भ पुस्तकें:-

1. रस मीमांसा : रामचंद्र शुक्ल -नागरी प्रचारिणी सभा काशी
2. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्य सिद्धान्त : गणपतिचंद्र गुप्त- लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद
3. काव्य शास्त्र : भगीरथ मिश्र - विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी
4. हिन्दी काव्य शास्त्र का इतिहास : भगीरथ मिश्र लखनऊ विश्वविद्यालय लखनऊ
5. भारतीय काव्यशास्त्र : सत्यदेव चौधरी -अलंकार प्रकाशन दिल्ली

गौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

एम.ए. हिन्दी (तृतीय सत्र) सत्र- 2026-27
26HND-303 हिन्दी की संस्कृति (संस्थाएँ, पत्रिकाएँ, आंदोलन, केन्द्र) Course Type (CC)

क्रेडिट : 4
पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30
समय : 3 घण्टे

कोर्स आउटकम (COs)

1. हिन्दी की संस्कृति की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
2. हिन्दी के प्रचार-प्रसार से संबंधित संस्थाओं की जानकारी मिलेगी।
3. स्वतंत्रता संग्राम में हिन्दी की पत्र-पत्रिकाओं के योगदान को जान सकेंगे।
4. इस पाठ्यक्रम के माध्यम से हिन्दी की संस्थाओं, पत्र-पत्रिकाओं, हिन्दी आन्दोलनों और हिन्दी के केन्द्रों की जानकारी प्राप्त हो सकेगी।
5. स्वतंत्रता संग्राम में हिन्दी की भूमिका पर प्रकाश डाल सकेंगे।
6. हिन्दी भाषा के प्रति प्रेम पैदा करके हिन्दी भाषा का वैश्विकरण करते हुए साहित्यिक पत्र-पत्रिकाओं का अध्ययन करेंगे।

नोट :-

1. पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो-दो अंक का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।
2. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई में से आंतरिक विकल्प के साथ एक-एक दीर्घ प्रश्न पूछा जाएगा। जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक प्रश्न (कुल 4 प्रश्न) करना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 14 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 56 अंक का होगा।

इकाई -1 -हिन्दी की प्रमुख संस्थाएँ :

नागरी प्रचारिणी सभा, बनारस,
हिंदी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग,
विहार राष्ट्रभाषा परिषद, पटना,
दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, चेन्नई
केन्द्रीय हिंदी संस्थान, आगरा

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

इकाई- 2 हिन्दी की पत्रिकाएँ (संक्षिप्त अध्ययन)
कविवचन सुधा , हिंदी प्रदीप, ब्राह्मण, आनंदकादंबिनी
सरवस्ती, प्रताप, माधुरी, मतवाला, विशाल भारत
चौद, हंस, नया ज्ञानोदय, आलोचना
धर्मगुग, पहल, समयांतर, साप्ताहिक हिन्दुस्तान
हरियंघा, सप्तसिंधु, तदभव

इकाई-3- हिन्दी के आंदोलन :
ब्रजभाषा बनाम खड़ी बोली, खड़ी बोली आन्दोलन
हिन्दी उर्दू-हिन्दुस्तानी विवाद
भारतीय स्वतन्त्रता आन्दोलन
आर्य समाज आन्दोलन
लघु पत्रिका आन्दोलन

इकाई-4- हिन्दी की संस्कृति के प्रमुख केन्द्र
हिन्दी की संस्कृति का केन्द्र बनारस
हिन्दी की संस्कृति का केन्द्र इलाहाबाद
हिन्दी की संस्कृति का केन्द्र दिल्ली
हिन्दी की संस्कृति का केन्द्र लखनऊ
हिन्दी की संस्कृति का केन्द्र कोलकाता

संदर्भ पुस्तकें :-

1. नागरी प्रचारिणी सभा : वार्षिक विवरण- नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
2. हिन्दी साहित्य सम्मेलन का इतिहास : नरेश मेहता- हिन्दी साहित्य सम्मेलन, प्रयाग
3. खड़ी बोली आंदोलन : शितिकंठ मिश्र-नागरी प्रचारिणी सभा, काशी
4. आधुनिक हिन्दी के विकास में खड़ग विलास प्रेस की भूमिका : धीरेन्द्र नाथ सिंह-बिहार राष्ट्रभाषा परिषद्, पटना
5. हिन्दी की संस्कृति : दीपक कुमारी, संजय प्रकाशन, नई दिल्ली

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

एम.ए. हिन्दी (तृतीय सत्र) सत्र- 2026-27
26HND-304-A हिन्दी निबंध साहित्य Course Type (DEC)

क्रेडिट : 4
पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30
समय : 3 घण्टे

कोर्स आउटकम (COS)

1. हिन्दी निबंधों के विभिन्न प्रकारों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
2. विद्यार्थियों में हिन्दी निबंध की समझ विकसित करना।
3. हिन्दी निबंध की प्रवृत्तियों से परिचित करना।
4. साहित्यिक विश्लेषण एवं मूल्यांकन क्षमता का विकास करना।
5. हिन्दी भाषा एवं अभिव्यक्ति कौशल को समृद्ध बनाना।
6. प्रमुख निबंधकारों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

नोट :-

1. प्रथम प्रश्न अनिवार्य है। पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो-दो अंकों का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।
2. इकाई एक और इकाई दो से दो-दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न 14+14=28 अंकों का होगा।
3. इकाई तीन और इकाई चार से रचनाओं और रचनाकारों पर आधारित दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना होगा, जो 14 अंकों का होगा।
4. इकाई- 3 व 4 से चार अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं दो अवतरणों की सन्दर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम-से-कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 7 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 7+7=14 अंकों का होगा।

इकाई -1

निबंध : अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप
हिन्दी निबंध का उद्भव एवं विकास
हिन्दी निबंध के प्रकार - विचारात्मक, भावात्मक, वर्णनात्मक, विवेचनात्मक, व्यंग्यात्मक, आत्मपरक
निबंध और ललित निबंध में अंतर

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

इकाई -2

शुक्ल पूर्व युगीन हिन्दी निबंध
शुक्लयुगीन हिन्दी निबंध
शुक्लोत्तरयुगीन हिन्दी निबंध
समकालीन हिन्दी निबंध

इकाई -3 हिन्दी के प्रमुख निबंध

भारतेन्दु-भारतवर्षान्ति कैसे हो सकती है?
प्रताप नारायण मिश्र- शिवमूर्ति
बालमुकुंद गुप्त -शिवशंभु के चिट्ठे से पीछे मत फेंकिये
आचार्य रामचन्द्र शुक्ल- मित्रता

इकाई -4 हिन्दी के प्रमुख ललित निबंध

हजारी प्रसाद द्विवेदी -नाखून क्यों बढ़ते हैं?
विद्यानिवास मिश्र-मेरे राम का मुकुट भीग रहा है
कुबेरनाथ राय-उत्तरफाल्गुनी के आस-पास
विवेकी राय-उठ जाग मुसाफिर

सन्दर्भ सूची -

1. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, हिन्दी साहित्य का इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, नागरी प्रचारिणी सभा काशी
2. नामवर सिंह, कविता के नए प्रतिमान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. हजारी प्रसाद द्विवेदी, हिन्दी निबंध, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. रामविलास शर्मा, निराला की साहित्य साधना, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. नगेन्द्र, भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
6. नंददुलारे वाजपेयी, आधुनिक हिन्दी आलोचना, किताब महल,
7. रामचंद्र शुक्ल, चिंतामणि, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. हजारी प्रसाद द्विवेदी, अशोक के फूल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. विश्वनाथ त्रिपाठी - हिन्दी आलोचना, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
10. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना : रामविलास शर्मा - राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
11. नामवर सिंह, दूसरी परम्परा की खोज इतिहास और आलोचना, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली। नामवर सिंह- राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

एम.ए. हिन्दी (तृतीय सत्र) सत्र- 2026-27

26HND-304-B हिन्दी आत्मकथा एवं जीवनी Course Type (DEC)

क्रेडिट : 4

पूर्णांक : 100

लिखित : 70

आंतरिक मूल्यांकन : 30

समय : 3 घण्टे

कोर्स आउटकम (COS)

1. आत्मकथा एवं जीवनी साहित्य की प्रकृति और विकास को समझना।
2. जीवन-लेखन की विभिन्न विधाओं का आलोचनात्मक अध्ययन करना।
3. दलित, स्त्री एवं सामाजिक विमर्शों को आत्मकथा एवं जीवनी साहित्य के माध्यम से समझना।
4. आत्मकथा एवं जीवनी की भाषा-शैली और सत्यबोध का अध्ययन करना।
5. विद्यार्थी आत्मकथा एवं जीवनी साहित्य की प्रकृति और प्रवृत्तियों को समझ सकेंगे।
6. शोध एवं अकादमी लेखन में दक्षता प्राप्त करना।

नोट :-

1. प्रथम प्रश्न अनिवार्य है। पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो-दो अंकों का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।
2. इकाई एक और इकाई दो से दो-दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न 14+14=28 अंकों का होगा।
3. इकाई तीन और इकाई चार से रचनाओं और रचनाकारों पर आधारित दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना होगा, जो 14 अंकों का होगा।
4. इकाई- 3 व 4 से चार अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं दो अवतरणों की सन्दर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम-से-कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 7 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 7+7=14 अंकों का होगा।

इकाई -1

आत्मकथा : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप एवं अवधारणा
हिन्दी आत्मकथा का उद्भव एवं विकास, परम्परा
हिन्दी आत्मकथा में सत्य, स्मृति एवं आत्मनिव्यक्ति
आधुनिक हिन्दी साहित्य में आत्मकथा की प्रासंगिकता

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

इकाई -2

जीवनी :अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप एवं अवधारणा

हिन्दी जीवनी का उद्भव एवं विकास, परंपरा

हिन्दी जीवनी साहित्य में यथार्थ एवं कल्पना

आधुनिक हिन्दी साहित्य में जीवनी की प्रासंगिकता

इकाई -3 आत्मकथा साहित्य

हरिवंश राय बच्चन -क्या भूलें क्या याद करें भाग-1

मनू भंडारी -एक कहानी यह भी

इकाई -4 जीवनी साहित्य

शिवरानी देवी -प्रेमचन्द घर में

विष्णु प्रभाकर -आवारा मसीहा-दिशाहारा पहला पर्व

सन्दर्भ सूची-

1. हरिवंश राय बच्चन -क्या भूलें क्या याद करें, राजपाल एण्ड संस, प्रकाशन वर्ष-1969 ई., नई दिल्ली।
2. मनू भंडारी -एक कहानी यह भी है, राधाकृष्ण प्रकाशन, प्रकाशन वर्ष 2007, नई दिल्ली।
3. शिवरानी देवी -प्रेमचन्द घर में, हिन्दुस्तानी पब्लिशिंग हाउस, प्रकाशन वर्ष-1944ई।
4. विष्णु प्रभाकर -आवारा मसीहा, राजपाल एण्ड संस, प्रकाशन वर्ष-1974ई., नई दिल्ली।
5. रामविलास शर्मा-निराला की साहित्य साधना, प्रकाशन वर्ष-1969ई., वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. महादेवी वर्मा, अतीत के चलचित्र, प्रकाशन वर्ष-1941ई., लोकभारती प्रकाशन।
7. महादेवी वर्मा, स्मृति की रेखाएँ, प्रकाशन वर्ष-1943ई., भारती भंडार।
8. डॉ. नारायण शर्मा, हिन्दी आत्मकथा साहित्य, प्रकाशन वर्ष-2008ई., साहित्य भवन, नई दिल्ली।
9. शांति स्वरूप गुप्त, जीवनी साहित्य, सिद्धान्त और अध्ययन, प्रकाशन वर्ष-2010ई., वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
10. डॉ. माया मलिक, आवारा मसीहा : जीवनी के निकाष पर, -स्वराज प्रकाशन, नई दिल्ली।

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

एम.ए. हिन्दी (तृतीय सत्र) सत्र- 2026-27

26HND-304-C हिन्दी संस्मरण एवं रेखाचित्र Course Type (DEC)

क्रेडिट : 4

पूर्णांक : 100

लिखित : 70

आंतरिक मूल्यांकन : 30

समय : 3 घण्टे

कोर्स आउटकम (COS)

1. विद्यार्थियों में हिन्दी संस्मरण एवं रेखाचित्र की समझ विकसित करना।
2. हिन्दी संस्मरण एवं रेखाचित्र की प्रवृत्तियों से परिचित कराना।
3. साहित्यिक विश्लेषण एवं मूल्यांकन क्षमता का विकास करना।
4. हिन्दी संस्मरण एवं रेखाचित्रों की भाषा एवं अभिव्यक्ति कौशल को समृद्ध बनाना।
5. प्रमुख हिन्दी संस्मरण एवं रेखाचित्रों के लेखकों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
6. साहित्यिक विश्लेषण एवं मूल्यांकन क्षमता विकसित कर सकेंगे।

नोट :-

1. प्रथम प्रश्न अनिवार्य है। पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो-दो अंकों का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।
2. इकाई एक और इकाई दो से दो-दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न $14+14=28$ अंकों का होगा।
3. इकाई तीन और इकाई चार से रचनाओं और रचनाकारों पर आधारित दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना होगा, जो 14 अंकों का होगा।
4. इकाई-3 व 4 से चार अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं दो अवतरणों की सन्दर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम-से-कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 7 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न $7+7=14$ अंकों का होगा।

इकाई -1

रेखाचित्र : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप एवं अवधारणा
हिन्दी रेखाचित्र का उद्भव एवं विकास, परंपरा
हिन्दी रेखाचित्रों में आत्मभिव्यक्ति
आधुनिक हिन्दी साहित्य में रेखाचित्रों की प्रासंगिकता

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

इकाई -2

संस्मरण अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप एवं अवधारणा
हिन्दी संस्मरण का उद्भव एवं विकास, परंपरा
हिन्दी संस्मरण साहित्य में यथार्थ एवं कल्पना
आधुनिक हिन्दी साहित्य में संस्मरण की प्रासंगिकता

इकाई -3 रेखाचित्र साहित्य

रामवृक्ष बेनीपुरी- माटी की मूर्तें

श्रीराम शर्मा-बोलती प्रतिमा से -बोलती प्रतिमा केवल एक रेखाचित्र

इकाई -4 संस्मरण साहित्य

महादेवी वर्मा -स्मृति की रेखाएँ से- ठकुरी बाबा

कैहन्यालाल मिश्र 'प्रभाकर' - दीप जले शंख बजे पुस्तक से - ये दीप, ये शंख, मुखिया सुचेत

सन्दर्भ सूची-

1. महादेवी वर्मा, स्मृति की रेखाएँ, प्रकाशन वर्ष-1943ई.भारती भंडार।
2. रामवृक्ष बेनीपुरी- माटी की मूर्तें-लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद।
3. बच्चन सिंह, हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास, नेशनल पब्लिशिंग हाउस
4. राम स्वरूप चतुर्वेदी, हिंदी साहित्य और संवेदना का विकास लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद।
5. रामविलास शर्मा, भारतेन्दु युग और हिन्दी गद्य की विकास परम्परा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
6. रामचन्द्र तिवारी, हिन्दी का गद्य इतिहास, लोकभारती प्रकाशन इलाहाबाद
7. श्रीराम शर्मा, बोलती प्रतिमा, आर्य बुक डिपो, नई दिल्ली।
8. कैहन्यालाल मिश्र 'प्रभाकर' - दीप जले शंख बजे, भारतीय ज्ञानपीठ, काशी।

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

एम.ए. हिन्दी (तृतीय सत्र) सत्र- 2026-27
26HND-304-D हिन्दी ज्ञायरी एवं रिपोर्टाज साहित्य Course Type (DEC)

क्रेडिट : 4
पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30
समय : 3 घण्टे

कोर्स आउटकम (COS)

1. ज्ञायरी एवं रिपोर्टाज विधा की प्रकृति और स्वरूप का अध्ययन करना।
2. प्रमुख ज्ञायरीकारों एवं रिपोर्टाज लेखकों की रचनात्मक विशेषताओं का अध्ययन कर सकेंगे।
3. सामाजिक, सांस्कृतिक एवं राजनीतिक संदर्भों में ज्ञायरी और रिपोर्टाज की भूमिका समझाना।
4. विद्यार्थियों में लेखन एवं विश्लेषण क्षमता का विकास करना।
5. हिन्दी गद्य की आधुनिक विधाओं से विद्यार्थियों को परिचित करना।
6. युद्ध, राजनीति और सामाजिक आंदोलनों से संबंधित रिपोर्टाज की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

नोट :-

1. प्रथम प्रश्न अनिवार्य है। पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो-दो अंकों का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।
2. इकाई एक और इकाई दो से दो-दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न 14+14=28 अंकों का होगा।
3. इकाई तीन और इकाई चार से रचनाओं और रचनाकारों पर आधारित दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना होगा, जो 14 अंकों का होगा।
4. इकाई-3 व 4 से चार अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं दो अवतरणों की सन्दर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम-से-कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 7 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 7+7=14 अंकों का होगा।

इकाई-1

ज्ञायरी : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप एवं विकास
ज्ञायरी साहित्य में यथार्थ और अनुभव एवं विशेषताएँ

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

हिन्दी साहित्य में डायरी लेखन की प्रासंगिकता
हिन्दी के प्रमुख डायरी साहित्यकारों का संक्षिप्त परिचय

इकाई-2

रिपोर्ताज : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप एवं विकास
रिपोर्ताज : साहित्य में यथार्थ और अनुभव एवं विशेषताएँ
हिन्दी साहित्य में रिपोर्ताज लेखन की प्रासंगिकता
हिन्दी के प्रमुख रिपोर्ताज साहित्यकारों का संक्षिप्त परिचय

इकाई-3 डायरी साहित्य

गजानन माधव मुक्तिबोध-एक साहित्यिक की डायरी
मोहन रोकश की डायरी-भाग- 1

इकाई-4 रिपोर्ताज

रांगेय राघव - तूफानों के बीच से

1. एक रात

2. मरेंगे साथ, जियेंगे साथ

धर्मवीर भारती -युद्धयात्रा से

1. युद्ध : अप्रत्याशित आरंभ

2. भारत-पाकिस्तान के बीच निर्णायक युद्ध

सन्दर्भ-सूची-

1. गजानन माधव मुक्तिबोध-एक साहित्यिक की डायरी, राजकमल प्रकाशन, 1984 ई., नई दिल्ली।
2. मधु कांकरिया-बंजारा मन और बंदिशे, किताब घर प्रकाशन, 2011 ई., नई दिल्ली।
3. तूफानों के बीच-रांगेय राघव, किताब घर प्रकाशन, 1946 ई., नई दिल्ली।
4. डॉ. रामचन्द्र तिवारी- हिन्दी गद्य की विधाएँ, प्रकाशन वर्ष-1995 ई., विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
5. डॉ. नामवर सिंह-हिन्दी रिपोर्ताज, प्रकाशन वर्ष-2004 ई., राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. रांगेय राघव - तूफानों के बीच, सरस्वती प्रेस बनारस, बनारस।
7. मोहन रोकश की डायरी, राजपाल एण्ड संस, नई दिल्ली।
8. धर्मवीर भारती -युद्धयात्रा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

एम.ए. हिन्दी (तृतीय सत्र) सत्र- 2026-27

26HND-305-A जनसंचार माध्यम एवं हिन्दी भाषा Course Type (DEC)

क्रेडिट : 4

पूर्णांक : 100

लिखित : 70

आंतरिक मूल्यांकन : 30

समय : 3 घण्टे

कोर्स आउटकम (COS)

1. जनसंचार माध्यमों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
2. वर्तमान समय में जनसंचार का हमारे जीवन में महत्व को जान सकेंगे।
3. प्रिंट मीडिया के स्वरूप, लेखन और भाषा की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
4. इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के स्वरूप, लेखन और विज्ञापन व समाचार चैनलों में हिन्दी के विद्यार्थियों को रोजगार की संभावनाओं की जानकारी मिलेगी।
5. सोशल मीडिया और ई-कामर्स, विजनेस पत्रिकाओं की जानकारी मिलेगी।

नोट :-

1. पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो-दो अंक का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।
2. पाठ्यक्रम में निधारित प्रत्येक इकाई में से आंतरिक विकल्प के साथ एक-एक दीर्घ प्रश्न पूछा जाएगा। जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक प्रश्न (कुल 4 प्रश्न) करना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 14 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 56 अंक का होगा।

इकाई -1

जनसंचार : अर्थ, परिभाषा एवं महत्व
जनसंचार माध्यमों का परिचय
प्रिंट मीडिया : अर्थ, परिभाषा व स्वरूप
प्रिंट मीडिया : लेखन के क्षेत्र

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

इकाई-2

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया का अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के प्रकार

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया की आवश्यकता एवं महत्व

इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के लिए लेखन

इकाई-3

सोशल मीडिया: अर्थ, स्वरूप और महत्व

सोशल मीडिया पर प्रस्तुतीकरण

सोशल मीडिया की भाषा-शैली

ई-कॉमर्स, ई बिजनेस, ई-पत्रिका आदि सोशल मीडिया की भाषा

इकाई-4

जनसंचार एवं हिन्दी अन्तर्सम्बन्ध

जनसंचार की उपयोगिता

जनसंचार की चुनौतियाँ

जनसंचार की संभावनाएँ

संदर्भ पुस्तकें -

1. हिन्दी पत्रकारिता का वृहत् इतिहास : अर्जुन तिवारी
2. साक्षात्कार सिद्धान्त एवं व्यवहार - रामशरण जोशी
3. पत्रकारिता में अनुवाद : रामशरण जोशी - राधाकृष्ण प्रकाशन दिल्ली
4. पटकथा लेखन एक परिचय: मनोहर श्याम जोशी राजकमल प्रकाशन दिल्ली
5. हिंदी विज्ञापन की भाषा : आशा पाण्डेय- पब्लिकेशन, दिल्ली

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

एम.ए. हिन्दी (तृतीय सत्र) सत्र- 2026-27

26HND-305-B व्यावसायिक हिन्दी Course Type (DEC)

क्रेडिट : 4

पूर्णांक : 100

लिखित : 70

आंतरिक मूल्यांकन : 30

समय : 3 घण्टे

कोर्स आउटकम (COs)

1. व्यावसायिक हिन्दी की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
2. वर्तमान समय में व्यावसायिक हिन्दी का हमारे जीवन में महत्व को जान सकेंगे।
3. व्यावसायिक हिन्दी के स्वरूप, लेखन और भाषा की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
4. व्यावसायिक हिन्दी लेखन और विज्ञापन व समाचार चैनलों में हिन्दी के विद्यार्थियों को रोजगार की संभावनाओं की जानकारी मिलेगी।
5. व्यावसायिक हिन्दी के माध्यम से सोशल मीडिया और ई-कमर्स, बिजनेस की जानकारी मिलेगी।

नोट :-

1. पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो-दो अंक का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।
2. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई में से आंतरिक विकल्प के साथ एक-एक दीर्घ प्रश्न पूछा जाएगा। जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक प्रश्न (कुल 4 प्रश्न) करना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 14 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 56 अंक का होगा।

इकाई -1

व्यावसायिक हिन्दी का अर्थ, परिभाषा व स्वरूप
व्यावसायिक हिन्दी का महत्व व उद्देश्य
व्यावसायिक हिन्दी और साहित्यिक हिन्दी में अंतर
व्यावसायिक हिन्दी के विविध क्षेत्र

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

इकाई -2

संक्षेपण व पल्लवन अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप
टिप्पण व प्रारूपण अर्थ, परिभाषा एवं स्वरूप
कार्यालयी पत्रों के प्रकार : सरकारी. व अर्द्धसरकारी
कार्यालयी आदेश, कार्यालयी ज्ञापन, पृष्ठांकन, अधिसूचना, प्रेस विज्ञप्ति, परिपत्र एवं अनुस्मारक

इकाई -3

व्यावसायिक हिन्दी में अनुवाद की भूमिका
विज्ञापन के क्षेत्र में अनुवाद की भूमिका
वाणिज्य के क्षेत्र में अनुवाद की भूमिका
विज्ञान के क्षेत्र में अनुवाद की भूमिका

इकाई -4

पत्रकारिता : समाचार लेखन, संपादन और रिपोर्टिंग
फीचर लेखन, प्रूफ पठन व संशोधन
हिन्दी : संचार माध्यम, कंप्यूटर और वैज्ञानिक विकास
कम्प्यूटर में हिन्दी टाइपिंग की उपयोगिता

संदर्भ पुस्तकें -

1. डॉ. प्रेमचन्द पातंजलि, व्यावसायिक हिन्दी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. डॉ. कैलाशचन्द्र भाटिया, अनुवाद कला और प्रयोग, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. प्रोफेसर रहम तुल्लक, व्यावसायिक हिन्दी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. गोपीनाथ श्रीवास्तव, सरकारी कार्यालयों में हिन्दी का प्रयोग, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
5. डॉ. कमला कौशिक, व्यावसायिक हिन्दी, श्रद्धा प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. राजेन्द्र कुमार पाण्डेय, व्यावसायिक हिन्दी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

एम.ए. हिन्दी (तृतीय सत्र) सत्र— 2026-27
26HND-305-C हिन्दी संचार कौशल Course Type (DEC)

क्रेडिट : 4
पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30
समय : 3 घण्टे

कोर्स आउटकम (COS)

1. छात्रों के संभाषण कौशल को विकसित करना।
2. हिन्दी संचार कौशल के माध्यम से भाषण व साक्षात्कार जैसी विधा में छात्रों को पारंगत करना।
3. छात्रों में व्यावसाय अभिमुख कौशल विकसित करना।
4. संश्लेषण कौशल के माध्यम से व्यक्तित्व को विकसित करना।
5. कौशल विकास के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में योगदान देना।
6. हिन्दी की संवैधानिक स्थिति से छात्रों को अवगत करना।
7. अनुवाद के क्षेत्र में रोजगार की संभावनाओं पर प्रकाश डालना।

नोट :-

1. पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो-दो अंक का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।
2. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई में से आंतरिक विकल्प के साथ एक-एक दीर्घ प्रश्न पूछा जाएगा। जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक प्रश्न (कुल 4 प्रश्न) करना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 14 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 56 अंक का होगा।

इकाई-1

संचार का अर्थ, परिभाषा एवं अवधारणा
संचार की प्रक्रिया एवं तत्व
संचार के प्रमुख प्रकार और विशेषताएं
समाज में संचार की भूमिका, कार्यक्षेत्र और आवश्यकताएं

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

इकाई-2

संचार के कार्य और उद्देश्य

प्रभावी संचार : मौखिक एवं गैर-मौखिक

अन्तःव्यक्तिगत, अन्तर व्यक्तिगत, समूह, अन्तरसांस्कृतिक संचार

संचार के 7 Cs

इकाई-3

प्रभावी संचार में श्रवण की भूमिका एवं बाधाएं

हिन्दी संचार में कंप्यूटर का योगदान

संचार में भाषण, वार्तालाप, साक्षात्कार की भूमिका

संचार में समूह चर्चा, मंच संचालन, सार्वजनिक भाषण की भूमिका

इकाई-4

प्रभावी लेखन कौशल की विशेषताएं

रिपोर्ट लेखन, संक्षिप्त लेखन, सी.वी. लेखन, शैक्षणिक लेखन

प्रभावी पठन की प्रक्रिया एवं महत्व

प्रभावी पठन के लिए रणनीतियां एवं मूल्यांकन

संदर्भ पुस्तकें -

1. हिन्दी भाषा उद्गम और विकास, उदय नारायण तिवारी, भारती भंडार, इलाहाबाद-1961
2. हिन्दी भाषा उद्भव और विकास, हरदेव बाहरी, किताब महल, इलाहाबाद, 1966
3. हिन्दी भाषा शिक्षण, रविन्द्रनाथ श्रीवास्तव, सहकारी प्रकाशन, नई दिल्ली, 1981
4. अनुवाद विज्ञान और संप्रेषण, हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली, 1984
5. अनुवाद विज्ञान और आलोचना की नई भूमिका, रविन्द्रनाथ श्रीवास्तव, केन्द्रीय हिन्दी संस्थान, आगरा
6. भारतीय भाषा और हिन्दी अनुवाद समस्या समाधान, कैलाश चन्द्र भाटिया, वाणी प्रकाशन नई दिल्ली।
7. भाषा और प्रौद्योगिकी, विनोद कुमार प्रसाद, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
8. हिन्दी संचार कौशल - डॉ. भेलानाथ तिवारी
9. कार्यालयी हिन्दी और संचार - डॉ. हरिमोहन
10. व्यावहारिक हिन्दी - डॉ. कैलाशचन्द्र भाटिया
11. जनसंचार और हिन्दी - डॉ. कृष्णकुमार गोस्वामी
12. हिन्दी भाषा एवं संचार - डॉ. रमेशचन्द्र शर्मा

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

एम.ए. हिन्दी (तृतीय सत्र) सत्र- 2026-27

26HND-305-D अनुवाद सिद्धान्त एवं प्रयोग Course Type (DEC)

क्रेडिट : 4

पूर्णांक : 100

लिखित : 70

आंतरिक मूल्यांकन : 30

समय : 3 घण्टे

कोर्स आउटकम (COS)

1. अनुवाद के व्यावहारिक और सैद्धांतिक स्वरूप का बोध कर सकेंगे।
2. अनुवाद के विशिष्ट गुणों व प्रक्रिया की जानकारी मिलेगी।
3. अनुवाद में आने वाली समस्याओं से परिचित हो सकेंगे।
4. सांस्कृतिक सेतु के रूप में अनुवाद की भूमिका से विद्यार्थियों को परिचित करवाना।
5. पारिभाषिक और प्रशासनिक शब्दावली का ज्ञान कराना।

नोट :-

1. पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो-दो अंक का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।
2. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई में से आंतरिक विकल्प के साथ एक-एक दीर्घ प्रश्न पूछा जाएगा। जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक प्रश्न (कुल 4 प्रश्न) करना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 14 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 56 अंक का होगा।

इकाई -1

अनुवाद अर्थ : परिभाषा, स्वरूप और महत्व

अनुवाद : स्त्रोत भाषा एवं लक्ष्य भाषा

अनुवाद के सिद्धान्त

अनुवाद प्रक्रिया : विश्लेषण, अंतरण और पुनर्गठन

इकाई -2

अनुवाद के प्रकार : शब्दानुवाद, भावानुवाद, छायानुवाद

साहित्यिक अनुवाद : पद्यानुवाद, गद्यानुवाद

अच्छे अनुवादक के गुण

अनुवाद के क्षेत्र

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

इकाई-3

अनुवाद की भारतीय एवं पाश्चात्य परम्परा : संक्षिप्त परिचय
कंप्यूटर अनुवाद एवं कार्यालयी अनुवाद में अंतर
पारिभाषिक शब्दावली का अनुवाद

अनुवाद की समस्याएँ

इकाई-4

व्यावहारिक अनुवाद: अंग्रेजी से हिन्दी, हिन्दी से अंग्रेजी (एक अनुच्छेद)

संदर्भ पुस्तकें -

1. अनुवाद विज्ञान: डॉ. भोलानाथ तिवारी, शब्दाकार
2. अनुवाद सिद्धान्त की रूपरेखा : प्रो० सुरेश कुमार, वाणी प्रकाशन
3. अनुवाद सिद्धान्त एवं समस्याएँ: रवीन्द्रनाथ श्री वास्तव एवं कृष्ण कुमार गोस्वामी, आलेख प्रकाशन, दिल्ली
4. अनुवाद विज्ञान एवं सम्प्रैषण: हरिमोहन, तक्षशिला प्रकाशन, दिल्ली
5. अनुवाद सिद्धान्त एवं प्रयोग : जी. गोपीनाथ लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

एम.ए. हिन्दी (तृतीय सत्र) सत्र-2026-27

26HND-306 शोध पत्र लेखन एवं प्रस्तुति कौशल Course Type (PC)

क्रेडिट : 2

पूर्णांक : 50

प्रैक्टिकल : 35

आंतरिक मूल्यांकन : 15

समय : 2 घण्टे

कोर्स आउटकम (COS)

1. शोधपत्र लेखन से विद्यार्थियों में शोध के प्रति रुचि जाग्रत होगी।
2. विद्यार्थी अपनी प्रस्तुति के द्वारा वाक कला व मंच संचालन में निपुण होंगे।
3. विद्यार्थी शोध-पत्र प्रस्तुति PPT Power Point Presentation के माध्यम से देंगे जिससे वे तकनीक के साथ जुड़ेंगे।
4. इस पत्र के माध्यम से विद्यार्थी साहित्य की विभिन्न विधाओं का अध्ययन व शोध कर सकेंगे।

नोट :- इसमें विद्यार्थी अपने अध्यापक की सहायता से या स्वयं चयनित किसी एक साहित्यिक विषय पर एक शोधपत्र लिखेंगे और PPT Power Point Presentation के माध्यम से अपनी प्रस्तुति प्रस्तुत करेंगे। विद्यार्थी उसकी एक प्रैक्टिकल फाइल भी प्रस्तुत करेंगे। संबंधित अध्यापक उसका निरीक्षण करेंगे, जिसके आधार पर उनकी मौखिक परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। मौखिक परीक्षा विश्वविद्यालय द्वारा नियुक्त बाह्य विषय- विशेषज्ञ द्वारा ली जायेगी। जिसके आधार पर विद्यार्थी का मूल्यांकन किया जाएगा।

विषय-वस्तु :-

1. कहानी
2. नाटक
3. उपन्यास
4. कविता
5. निबंध, यात्रा-वृत्तान्त, जीवनी, आत्मकथा आदि विभिन्न विधाओं पर आधारित

प्रायोगिक कार्य प्रस्तुतिकरण-20 अंक

मौखिक परीक्षा-15 अंक

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

एम.ए. हिन्दी (तृतीय सत्र) सत्र- 2026-27
26HND-307 रोजगारपरक हिन्दी Course Type (EEC)

क्रेडिट : 2
पूर्णांक : 50
लिखित : 35
आंतरिक मूल्यांकन : 15
समय : 2 घण्टे

कोर्स आउटकम (COs)

1. विद्यार्थियों को रोजगारोमुख हिन्दी का व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना।
2. विद्यार्थियों को सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म पर हिन्दी लेखन की जानकारी मिलेगी।
3. विद्यार्थियों को टी.वी., रेडियो, स्क्रीन लेखन, समाचार लेखन, संपादन, रिपोर्टिंग और एडिटिंग ब्लॉग, वेबसाइट लेखन आदि की समझ बढ़ेगी।
4. विद्यार्थी हिन्दी युनिकोड और टंकण के विभिन्न प्रकारों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।

नोट :-1. प्रथम प्रश्न अनिवार्य है। पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न एक-एक अंक का होगा। पूरा प्रश्न 7 अंकों का होगा।
2. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई में से आंतरिक विकल्प के साथ दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे। जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक प्रश्न (कुल 2 प्रश्न) करना होगा।
प्रत्येक प्रश्न के लिए 14 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 28 अंक का होगा।

इकाई-1

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर हिन्दी लेखन
टी.वी. रेडियो के लिए हिन्दी स्क्रीन लेखन

समाचार लेखन एवं संपादन

ब्लॉग लेखन, वेबसाइट लेखन, विज्ञापन लेखन, स्वतंत्र लेखन

इकाई-2 रचनात्मक लेखन :-

विज्ञापन, बैनर, स्लोगन, फ्लैक्स लेखन

हिन्दी युनिकोड और टंकण

हिन्दी में रिपोर्टिंग और एडिटिंग

हिन्दी में शिक्षक और अनुवादक के क्षेत्र में रोजगार

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

संदर्भ –सूची :-

1. भारतीय भाषा और हिन्दी अनुवाद समस्या समाधान, कैलाश चन्द्र भाटिया, वाणी प्रकाशन नई दिल्ली।
2. भाषा और प्रौद्योगिकी, विनोद कुमार प्रसाद, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
3. हिन्दी संवार कौशल –डॉ. भेलानाथ तिवारी
4. कार्यालयी हिन्दी और संवार –डॉ. हरिमोहन
5. व्यावहारिक हिन्दी-डॉ. कैलाशचन्द्र भाटिया
6. जनसंचार और हिन्दी-डॉ. कृष्णकुमार गोस्वामी
7. हिन्दी भाषा एवं संवार-डॉ. रमेशचन्द्र शर्मा

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

एम.ए. हिन्दी (चतुर्थ सत्र) सत्र- 2026-27
26HND-401 आदिकालीन और मध्यकालीन कविता Course Type (CC)

क्रेडिट : 4
पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30
समय : 3 घण्टे

कोर्स आउटकम (COs)

आदिकालीन एवं मध्यकालीन काव्य की प्रवृत्तियों की विशेष जानकारी प्राप्त हो सकेगी।
आदिकालीन हिन्दी साहित्य की रचना व रचनाकारों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
मध्यकालीन भक्तिधाराओं की विशेष जानकारी प्राप्त हो सकेगी।
आदिकालीन एवं मध्यकालीन कवियों का साहित्य और समाज के प्रति दृष्टिकोण को समझ सकेंगे।
आदिकालीन एवं मध्यकालीन कवियों की रचनाओं विशेष जानकारी प्राप्त हो सकेगी।

नोट :-

1. प्रथम प्रश्न अनिवार्य है। पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो-दो अंकों का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।
2. इकाई एक और इकाई दो से दो-दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न 14+14=28 अंकों का होगा।
3. इकाई तीन और इकाई चार से रचनाओं और रचनाकारों पर आधारित दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना होगा, जो 14 अंकों का होगा।
4. इकाई- 3 व 4 से चार अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं दो अवतरणों की सन्दर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम-से-कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 7 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 7+7=14 अंकों का होगा।

इकाई -1

आदिकालीन काव्य एवं प्रमुख कवि
भक्तिकालीन काव्य एवं प्रमुख कवि
रीतिकालीन काव्य एवं प्रमुख कवि
आदिकालीन मध्यकालीन एवं रीतिकालीन काव्य की भाषा-शैली

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

इकाई-2

आदिकालीन काव्य की वैचारिक पृष्ठभूमि
भक्ति काव्य के प्रमुख सम्प्रदाय और उनकी वैचारिक पृष्ठभूमि
शैतिकालीन काव्य की प्रमुख काव्य धाराएं
शैतिकालीन दौर काव्य धारा

इकाई-3

चंदरबरदाई - पृथ्वीराज रासो का रेवा तट (पहले 05 पद)

अमीरो खुसरो - (अमीर खुसरो : व्यक्तित्व और कृतित्व- डॉ. परमानन्द पांवाला, हिन्दी बुक सेंटर, दिल्ली)- कुल पद 05

1. अम्मा मोरे बाबा को भेजो जी (गीत)

2. काहे को ब्याही विदेस रे (गीत)

3. बहुत कठिन है डगर पनघट की (गीत)

4. सगन बिन फूल रही सरसों (गीत)

5. छाप तिलक तज दीन्ही रे, तोहे नैन मिलके (कव्वाली)

. विद्यापति की पदावली : संपादक रामवृक्ष बेनीपुरी निर्धारित पद 1,2,14,43,60 (कुल पाँच)

कबीर : संपादक : आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी

निर्धारित अंश- 1. पाठ्य साहित्य-106, 113, 115, 148, 157, 161, 162, 175, 176, 177 (कुल 10 दोहे)

पाठ्य पद- 110, 130, 134, 137, 159, 160 (कुल 6 पद)

सूरदास के निर्धारित 6 पद (सूरसागर सार: संपादक डॉ. धीरेन्द्र वर्मा) 26 से 31 पर (अमरगीत सार से)

. तुलसीदास के निर्धारित 6 पद (विनयपत्रिका, प्रकाशक: गीताप्रेस, गोरखपुर) 65, 66, 67, 68, 69, 73 (विनयपत्रिका से)

इकाई-4.

जायसी-नागमती वियोग खण्ड - (पहले 10 पद)

मीराबाई (मीरा वृहत्पदावली-संस्व. श्री हरिनारायण रत्नाकर पुराहित)-205, 314, 506, 507, 512, 513 (कुल 6 पद)

बिहारी सतसई (सं: जगन्नाथ रत्नाकर)-1, 11, 25, 31, 32, 38, 41, 46, 51, 52, 60, 71, 121, 141, 151 (15 दोहे)

घनानन्द (घनानन्द का काव्य: सं: रामदेश शुक्ल-लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली)-(कुल 6 पद)

अति सुधो स्नेह को मारग है

हीन भये जल मीन अधीन

परकाजहिं देह को धारि फिरा

पुर भवन में मौन कर घूँघट

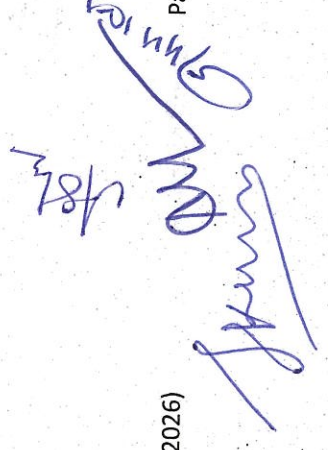
फैलि रही धर अंबर पुरि

जा हित मात को नाम जसोदा

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

संदर्भ पुस्तकें

1. मलिक मुहम्मद जायसी:- रामचन्द्र शुक्ल-नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी.
2. घनानन्द का काव्य; रामदेव शुक्ल-लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली
3. सरहपा; सं० विश्वम्भरनाथ उपाध्याय, साहित्य अकादमी, दिल्ली
4. अमीर खुसरो; व्यक्तित्व और कृतित्व; डॉ. परमानन्द पांचाल- हिन्दी बुक सेन्टर, दिल्ली
5. मीरा वृहत्पदावली (प्रथम भाग)-सं. स्व. श्री हरिनारायण रत्नाकर पुरोहित-राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान, जोधपुर (राजस्थान)
6. श्री जगन्नाथदास रत्नाकर, बिहारी रत्नाकर, -लोकभारती प्रकाशन, दिल्ली



चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

एम.ए. हिन्दी (चतुर्थ सत्र) सत्र- 2026-27
26HND-402 पाश्चात्य काव्यशास्त्र Course Type (CC)

क्रेडिट : 4
पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30
समय : 3 घण्टे

कोर्स आउटकम (COS)

1. पाश्चात्य काव्यशास्त्र का उद्भव और विकास की जानकारी मिलेगी।
2. विद्यार्थी पाश्चात्य काव्यशास्त्र के विभिन्न विचारधाराओं का अध्ययन कर सकेंगे।
3. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के विभिन्न पक्षों जैसे त्रासदी, विरेचन, उदात्त, कल्पना और फैंटेसी आदि से संबंधित जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
4. पाश्चात्य काव्यशास्त्र के विभिन्न विद्वानों की जानकारी मिलेगी।
5. नयी समीक्षा तथा उत्तर आधुनिकता की अवधारणा से परिचित हो सकेंगे।

नोट :-

1. पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो-दो अंक का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।
2. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई में से आंतरिक विकल्प के साथ एक-एक दीर्घ प्रश्न पूछा जाएगा। जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक प्रश्न (कुल 4 प्रश्न) करना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 14 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 56 अंक का होगा।

इकाई-1

पाश्चात्य काव्यशास्त्र के विवेक और उनका काव्य
प्लेटो : काव्य-सिद्धान्त
अरस्तू : त्रासदी-सिद्धान्त
अरस्तू : विरेचन-सिद्धान्त

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

इकाई -2

लोजाइनस : उदात्त-सिद्धान्त
स्वच्छतावादः अर्थ, अवधारणा एवं विशेषताएं
वर्ड्सवर्थ : काव्यभाषा का सिद्धान्त
कौलरिज : कल्पना और फैंटेसी सिद्धान्त
इकाई-3
मैथ्यू अर्नाल्ड : आलोचना का स्वरूप और प्रकार्य
कोचे : अभिव्यंजनावाद

आई.ए.रिचर्ड्स : मूल्य एवं सम्प्रेषण का सिद्धान्त
टी.एस.इलियट : निर्व्यक्तिता का सिद्धान्त

इकाई-4

नयी समीक्षा : अर्थ, स्वरूप एवं अवधारणा
नयी समीक्षा की काव्य-भाषा
आधुनिकता: अर्थ, स्वरूप एवं अवधारणा
उत्तर-आधुनिकता अर्थ, स्वरूप एवं अवधारणा

संदर्भ पुस्तकें :

1. भारतीय एवं पाश्चात्य-काव्यशास्त्र : सत्यदेव भास्त्री - अशोक प्रकाशन
2. पाश्चात्य-काव्यशास्त्र : देवन्द्रनाथ शर्मा - लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
3. पाश्चात्य-काव्यशास्त्र की परम्परा : डॉ नगेन्द्र एवं सावित्री सिन्हा - दिल्ली विश्वविद्यालय दिल्ली
4. पाश्चात्य-साहित्य चिंतन : निर्मला जैन - राधाकृष्णन प्रकाशन, दिल्ली
5. काव्यशास्त्र : भगीरथ मिश्र - विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी

(Signature)
(Signature)
(Signature)

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

एम.ए. हिन्दी (चतुर्थ सत्र) सत्र- 2026-27
26HND-403A हिन्दी साहित्य में स्त्री-विमर्श Course Type (DEC)

क्रेडिट : 4
पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30
समय : 3 घण्टे

कोर्स आउटकम (COs)

1. विद्यार्थी स्त्री साहित्य की अवधारणा, उद्भव और विकास को समझ सकेंगे।
2. स्वानुभूति और सहानुभूति के अन्तर को रचनात्मक लेखन के आधार पर स्पष्ट कर सकेंगे।
3. स्त्री साहित्यकारों के साहित्य में योगदान का मूल्यांकन कर सकेंगे।
4. सामाजिक व्यवस्था के खिलाफ स्त्री साहित्य की भूमिका को सामाजिक आन्दोलनों के सन्दर्भ में रेखांकित कर सकेंगे।
5. स्त्री साहित्य के माध्यम से विद्यार्थी रिश्तों को मानव के रूप में देखने का दृष्टिकोण पैदा कर सकेंगे।

नोट :-

1. प्रथम प्रश्न अनिवार्य है। पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो-दो अंकों का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।
2. इकाई एक और इकाई दो से दो-दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न 14+14=28 अंकों का होगा।
3. इकाई तीन और इकाई चार से रचनाओं और रचनाकारों पर आधारित दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना होगा, जो 14 अंकों का होगा।
4. इकाई- 3 व 4 से चार अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं दो अवतरणों की सन्दर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम-से-कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 7 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 7+7=14 अंकों का होगा।

इकाई -1

स्त्री विमर्श : अर्थ, स्वरूप व अवधारणा
स्त्री अस्मिता के सन्दर्भ में धर्म, समाज और संस्कृति
भारतीय एवं पाश्चात्य सन्दर्भ में नाशीवादी आंदोलन
हिन्दी साहित्य में स्त्री-विमर्श

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

इकाई- 2

स्त्रीत्ववाद की विभिन्न शाखाएं
स्त्री-विमर्श की साहित्यिक सैद्धांतिकी
समकालीन साहित्य में स्त्री -विमर्श
स्त्री लेखन : दृष्टि, परम्परा, प्रवृत्तियाँ और प्रासंगिकता

इकाई- 3 निर्धारित कविताएँ :-

मीराबाई -संपादक परशुराम चतुर्वेदी -17,25,32,33,34 कुल 5 पद
महादेवी वर्मा - बीन भी हूँ मैं तुम्हारी रागिनी भी, मैं नीर भरी दुख की बदली
कात्यायनी - सात भाइयों के बीच चंगा
सविता सिंह - मैं किसकी औरत हूँ

निबंध -

ताराबाई शिंदे -स्त्री-पुरुष तुलना
महादेवी वर्मा - हिन्दु स्त्री का पत्नीत्व

इकाई- 4 निर्धारित कहानियाँ -

मंजुल भगत-बानो
चित्रा मुद्गल- बावजूद इसके
रोहिणी अग्रवाल -आओ मैं हम परी हो जाएं
सूर्यबाला -आदमकद
नासिरा शर्मा -नई हुकूमत
उपन्यास- कठगुलाब -मृदुला गर्ग

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

संदर्भ पुस्तकें :

1. प्रो. राहिणी अग्रवाल, साहित्य की जमीन और स्त्री-मन के उच्छवास, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. अनुवादक- प्रभा खेतान, स्त्री उपेक्षिता ; सीमोन द बोउवारद हिन्दी पाकेट बुक्स, नई दिल्ली।
3. संपादक - राजकिशोर स्त्री, परमरा और आधुनिकता, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. ताराबाई शिंदे- स्त्री-पुरुष तुलना, सिद्धार्थ बुक्स, दिल्ली।
5. रमणिका गुप्ता- आपहुदरी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. मुदुला गर्ग- कठगुलाव, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. महादेवी वर्मा - शृंगला की कड़ियाँ, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. संपादक परशुराम चतुर्वेदी- मीराबाई ,
9. काल्यायनी - सात भाइयों के बीच चंपा
10. मंजुल भगत- बूंद, भारतीय ज्ञानपीठ , नई दिल्ली।
11. रोहिणी अग्रवाल- आओ मों हम परी हो जाएं, सामयिक प्रकाशन , नई दिल्ली।
12. नासिरा शर्मा - नई हुकूमत, दूतखाना, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
13. मंजुल भगत- बानो, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
14. चित्रा मुद्गल- भूख, ज्ञान गंगा प्रकाशन, जयपुर
15. सविता सिंह- अपने जैसा जीवन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।

अप्रभा

अप्रभा

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

एम.ए. हिन्दी (चतुर्थ सत्र) सत्र- 2026-27
26HND-403B हिन्दी साहित्य में दलित-विमर्श Course Type (DEC)

क्रेडिट : 4
पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30
समय : 3 घण्टे

कोर्स आउटकम (COs)

1. विद्यार्थी दलित साहित्य की अवधारणा, उद्भव और विकास को समझ सकेंगे।
2. स्वानुभूति और सहानुभूति के अन्तर को रचनात्मक लेखन के आधार पर स्पष्ट कर सकेंगे।
3. दलित साहित्यकारों के साहित्य में योगदान का मूल्यांकन कर सकेंगे।
4. दलित सौंदर्यशास्त्र की विशेषताओं को परम्परागत सौंदर्यशास्त्र से तुलना करते हुए विश्लेषित कर सकेंगे।
5. जाति व्यवस्था के खिलाफ दलित साहित्य की भूमिका को सामाजिक आन्दोलनों के सन्दर्भ में रेखांकित कर सकेंगे।
6. दलित साहित्य के माध्यम से विद्यार्थियों में मानवीय संवेदना के प्रति सामाजिक जागरूकता आएगी।

नोट :-

1. प्रथम प्रश्न अनिवार्य है। पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो-दो अंकों का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।
2. इकाई एक और इकाई दो से दो-दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न 14+14=28 अंकों का होगा।
3. इकाई तीन और इकाई चार से रचनाओं और रचनाकारों पर आधारित दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना होगा, जो 14 अंकों का होगा।
4. इकाई- 3 व 4 से चार अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं दो अवतरणों की सन्दर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम-से-कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 7 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 7+7=14 अंकों का होगा।

इकाई -1

दलित साहित्य : अर्थ, परिभाषा, स्वरूप व अवधारणा
दलित साहित्य के प्रमुख रचनाकार
दलित साहित्य में युगबोध
दलित साहित्य की प्रवृत्तियाँ

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

इकाई-2

हिन्दी साहित्य में दलित लेखन

दलित साहित्य और संवेदना

दलित साहित्यकारों का हिन्दी साहित्य में योगदान

दलित साहित्य की प्रासंगिकता

इकाई-3 दलित साहित्य की कविताएं :-

नागार्जुन -हरिजन गाथा

सुशीला टांकभौर - सिलिया, व्रत और व्रती

अनामिका - कूड़ा बीनते बच्चे, ओढ़नी

कथा साहित्य

मुंशी प्रेमचन्द - ठाकुर का कुँआ, दूध का दाम

ओमप्रकाश वाल्मीकि - सलाम, पच्चीस चौका डेढ़ सौ

इकाई-4

उपन्यास - रत्नकुमार सांभरिया : 'नटनी'

आत्मकथा - तुलसीराम - मुर्दहिया, भाग-1

सन्दर्भ सूची -

1. ओमप्रकाश वाल्मीकि: दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. रत्नकुमार सांभरिया : नटनी, सेतु प्रकाशन समूह, प्रा.लि. नई दिल्ली।
3. सुशीला टांकभौर, इतिहासबोध, कैवलभारती प्रकाशन, नई दिल्ली।
4. ओमप्रकाश वाल्मीकि, सलाम, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. अनामिका, कविता काव्य संग्रह, अनुष्टुप प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. अनामिका, खुरदरी हथेलियां, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
7. मुंशी प्रेमचन्द, मानसरोवर भाग-1 व 3, राजपाल एण्ड, नई दिल्ली।
8. तुलसीराम - मुर्दहिया, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

अप्रभावी

185

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

एम.ए. हिन्दी (चतुर्थ सत्र) सत्र- 2026-27
26HND-403C हिन्दी साहित्य में किसान-विमर्श Course Type (DEC)

क्रेडिट : 4
पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30
समय : 3 घण्टे

कोर्स आउटकम (COs)

1. विद्यार्थी किसान साहित्य की अवधारणा, उद्भव और विकास को समझ सकेंगे।
2. स्वानुभूति और सहानुभूति के अन्तर को रचनात्मक लेखन के आधार पर स्पष्ट कर सकेंगे।
3. किसान साहित्य के माध्यम से समाज में किसानों के योगदान का मूल्यांकन कर सकेंगे।
4. पूँजीपति व्यवस्था के खिलाफ किसान साहित्य की भूमिका को सामाजिक आन्दोलनों के सन्दर्भ में रेखांकित कर सकेंगे।
5. किसान साहित्य के माध्यम से विद्यार्थी किसानों की दशा और दिशा के बारे में जान सकेंगे और सामाजिक सन्दर्भ में मूल्यांकन कर सकेंगे।

नोट :-

1. प्रथम प्रश्न अनिवार्य है। पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो-दो अंकों का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।
2. इकाई एक और इकाई दो से दो-दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न 14+14=28 अंकों का होगा।
3. इकाई तीन और इकाई चार से रचनाओं और रचनाकारों पर आधारित दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना होगा, जो 14 अंकों का होगा।
4. इकाई- 3 व 4 से चार अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं दो अवतरणों की सन्दर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम-से-कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 7 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 7+7=14 अंकों का होगा।

इकाई -1

किसान विमर्श : अर्थ, परिभाषा व स्वरूप
किसान की आर्थिक और सामाजिक त्रासदी
प्रेमचन्द की किसान दृष्टि
चौधरी छोटाराम के किसान चिंतन का समकालीन संदर्भों में मूल्यांकन

CBLU-Syllabi-M.A.HINDI -NEP-2020

Approved By PGBOS (30.06.2026)

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

इकाई -2

किसान आत्महत्या : कारण और साहित्यिक अभिव्यक्ति
कृषि कानून, किसान आन्दोलन एवं किसानों की समस्याएँ
हिन्दी साहित्य में किसान जीवन का यथार्थवादी चित्रण
किसान विमर्श की आवश्यकता एवं प्रासंगिकता
इकाई- 3 निर्धारित कविताएँ-
रामधारी सिंह - हमारे कृषक
बालकृष्ण शर्मा नवीन - ओ मजदूर किसान, उठो
सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला - कुकरमुत्ता
केदारनाथ अग्रवाल - युग की गंगा, फूल नहीं रंग बोलते हैं, यह धरती है उस किसान की,
इकाई- 4 निर्धारित कथा साहित्य
निबन्ध - अध्यापक पूर्ण सिंह-मजदूरी और प्रेम
कहानी - प्रेमचन्द - पूस की रात, सवा सेर गोहूँ,
उपन्यास- संजीव - फौस

सन्दर्भ सूची -

1. रामधारी सिंह -सामथेनी, श्री अजन्ता प्रेस लिमिटेड, पटना
2. केदारनाथ अग्रवाल - फूल नहीं रंग बोलते, परिमल प्रकाशन, इलाहाबाद।
3. प्रेमचन्द -मानसरोवर, भाग-1, सरस्वती प्रेस, बनारस।
4. संजीव -फौस, वाणी प्रकाशन नयी दिल्ली।
5. संपादक -नंद किशोर नवल, स्वतंत्रता पुकारती, साहित्य अकादेमी, संस्करण, 2006

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

एम.ए. हिन्दी (चतुर्थ सत्र) सत्र- 2026-27
26HND-403D हिन्दी साहित्य में पर्यावरण-विमर्श Course Type (DEC)

क्रेडिट : 4

पूर्णांक : 100

लिखित : 70

आंतरिक मूल्यांकन : 30

समय : 3 घण्टे

कोर्स आउटकम (COs)

1. विद्यार्थी पर्यावरण की वर्तमान समय में प्रासंगिकता को जान सकेंगे।
2. विद्यार्थियों को पर्यावरण की हिन्दी साहित्य के साथ अन्तर्सम्बन्ध की जानकारी मिलेगी।
3. हिन्दी साहित्य में पर्यावरण के विषय में मानव को किस युग से सचेत किया जा रहा है इसकी जानकारी विभिन्न साहित्यिक विधाओं के माध्यम से मिलेगी।
4. विद्यार्थियों को पर्यावरण को स्वच्छ बनाने में साहित्य का क्या योगदान है इसकी जानकारी मिलेगी।
5. विद्यार्थियों को पर्यावरण के महत्व के विषय में पता चलेगा।

नोट :-

1. प्रथम प्रश्न अनिवार्य है। पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो-दो अंकों का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।
2. इकाई एक और इकाई दो से दो-दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न 14+14=28 अंकों का होगा।
3. इकाई तीन और इकाई चार से रचनाओं और रचनाकारों पर आधारित दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना होगा, जो 14 अंकों का होगा।
4. इकाई- 3 व 4 से चार अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं दो अवतरणों की सन्दर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम-से-कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 7 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 7+7=14 अंकों का होगा।

इकाई -1

पर्यावरण का अर्थ परिभाषा एवं स्वरूप
पारिस्थितिकी अर्थ परिभाषा एवं स्वरूप
पर्यावरण और पारिस्थितिकी का अन्तर्सम्बन्ध
पर्यावरण का महत्व और प्रासंगिकता

CBLU-Syllabi-M.A.HINDI -NEP-2020

Approved By PGBOS (30.06.2026)

Page 91 of 114

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

इकाई-2

पर्यावरण और मानव का अन्तर्सम्बंध
पर्यावरण और हिन्दी साहित्य का अन्तर्सम्बंध
आदिकाल और मध्यकाल में पर्यावरण विमर्श
शैलिकाल और आधुनिककाल में पर्यावरण विमर्श

इकाई-3

पर्यावरण विमर्श की कविता-
सुमित्रानन्दन पंत - मौन निमंत्रण, धरती कितना देती है
केदारनाथ अग्रवाल - बंसी. हवा हैं
भवानी प्रसाद मिश्र - नदी में डूबे हुए से, उधते अनमने जंगल
राजेश जोशी - मारे जाएंगे
कुबेर नारायण - एक वृक्ष की हत्या
पर्यावरण विमर्श की कहानी -
फणीश्वरनाथ रेणु - रस प्रिया, संवादिया
उदयप्रकाश - पालगोमरा का स्कूटर, दरियाई घोड़ा
शिवाग्रसाद सिंह- कर्मनाशा की हार

इकाई-4

पर्यावरण विमर्श की निबंध-
कुबेरनाथ राय - प्रिया नीलकंठी, रस आघटक
विद्यानिवास मिश्र - तुम चंदन हम पानी, बंसी आ गया पर कोई उत्कंठा नहीं
पर्यावरण विमर्श पर यात्रा-वृत्तान्त
अमृतलाल वेगड़ - नर्मदा तुम कितनी सुंदर हो
अज्ञेय - एक बूंद सहसा उछली

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

संदर्भ सूची -

1. सुमित्रानन्दन पंत, पल्लव, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली।
2. संपादक: नरेन्द्र पुण्डरिक, युनी हुई कविताएं, अनामिका प्रकाशन, प्रयागराज, उत्तर प्रदेश।
3. राजेश जोशी, प्रतिनिधि कविताएं, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली।
4. कुंवर नारायण, प्रतिनिधि कविताएं, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली।
5. रेणु, तुमरी, राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली।
6. रेणु, अग्निखोर राजकमल प्रकाशन नई दिल्ली।
7. उदयप्रकाश, पॉल गोमरा का स्कूटर, वाणी प्रकाशन नई दिल्ली।
8. उदयप्रकाश, दरियाई घोड़ा, वाणी प्रकाशन नई दिल्ली।
9. शिव प्रसाद सिंह, कर्मनाशा की हार, भारतीय ज्ञानपीठ, काशी उत्तर प्रदेश।
10. कुबेरनाथ, प्रिया नीलकंठी, भारतीय ज्ञानपीठ, काशी उत्तर प्रदेश।
11. कुबेरनाथ रस आखेटक, भारतीय ज्ञानपीठ, काशी उत्तर प्रदेश।
12. विद्यानिवास मिश्र, बसन्त आ गया पर कोई उत्कंठा नहीं, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली।
13. विद्यानिवास मिश्र, तुम चन्दन हम पानी, नेशनल पब्लिशिंग हाऊस, प्रकाशन, नई दिल्ली।
14. अमृतलाल वेगड़ - नर्मदा तुम कितनी सुंदर हो, भारतीय ज्ञानपीठ, काशी, उत्तर प्रदेश।
15. अज्ञेय- एक बूंद सहसा उछली, भारतीय ज्ञानपीठ, काशी, उत्तर प्रदेश।

(Handwritten signatures and initials)

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

एम.ए. हिन्दी (चतुर्थ सत्र) सत्र- 2026-27

26HND-404-A वैचारिक पृष्ठभूमि Course Type (DEC)

क्रेडिट : 4
पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30
समय : 3 घण्टे

कोर्स आउटकम (COS)

1. भारतीय नवजागरण और स्वाधीनता आन्दोलन की वैचारिक पृष्ठभूमि की जानकारी की प्राप्ति कर सकेंगे।
2. हिन्दी साहित्य में भारतीय नवजागरण के माध्यम से विद्यार्थी उस दौर की विभिन्न विचारधाराओं का अध्ययन कर सकेंगे।
3. हिन्दी नवजागरण में भारतेन्दु की भूमिका से अवगत हो सकेंगे।
4. महावीर प्रसाद द्विवेदी का हिन्दी नवजागरण में योगदान जान पाएंगे।
5. विभिन्न प्रकार के वादों की अवधारणा से परिचित हो सकेंगे।

नोट :-

1. पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो-दो अंक का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।
2. पाठ्यक्रम में निधारित प्रत्येक इकाई में से आंतरिक विकल्प के साथ एक-एक दीर्घ प्रश्न पूछा जाएगा। जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक प्रश्न (कुल 4 प्रश्न) करना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 14 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 56 अंक का होगा।

इकाई-1

भारतीय नवजागरण और स्वाधीनता आन्दोलन की वैचारिक पृष्ठभूमि
हिन्दी साहित्य में भारतीय नवजागरण की अवधारणा
साहित्य की भाषा के रूप में खड़ी बोली
हिन्दी नवजागरण में फोर्ट विलियम कॉलेज की भूमिका

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

इकाई-2

साहित्य में नवजागरण की अभिव्यक्ति
हिन्दी नवजागरण में भारतेन्दु की भूमिका
महावीर प्रसाद द्विवेदी का हिन्दी नवजागरण में योगदान
हिन्दी नवजागरण की समस्याएँ

इकाई-3

रूपवाद
संरचनावाद
उत्तर-संरचनावाद
यथार्थवाद

इकाई-4

मिश्रक अर्थ, अवधारणा व विशेषताएँ
प्रतीक अर्थ, अवधारणा व विशेषताएँ
बिंब अर्थ, अवधारणा व विशेषताएँ
फैटेसी अर्थ, अवधारणा व विशेषताएँ
सन्दर्भ सूची -

1. यथार्थवाद: जार्ज लुकाच - ग्रंथशिल्पी प्रकाशन, नई दिल्ली
2. साहित्य के समाजशास्त्र की भूमिका: मैनेजर पाण्डेय - हरियाणा ग्रंथ अकादमी
3. आधुनिकता, उत्तर-आधुनिकतावादी एवं समाजशास्त्रीय सिद्धान्त: एस.एल.दोषी - रावत पब्लिकेशन
4. मार्क्स, अम्बेडकर और गाँधी : रामविलास शर्मा - राजकमल प्रकाशन, दिल्ली
5. मनोविश्लेषणवाद : फ्रायड - राजपाल एंड सन्स, दिल्ली
6. नगेन्द्र, भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

एम.ए. हिन्दी (चतुर्थ सत्र) सत्र- 2026-27
26HND-404-B समकालीन साहित्य चिन्तन Course Type (CC)

क्रेडिट : 4

पूर्णांक : 100

लिखित : 70

आंतरिक मूल्यांकन : 30

समय : 3 घण्टे

कोर्स आउटकम (COs)

1. गंधीवादी साहित्य चिंतन के द्वारा गंधी जी की राष्ट्रप्रेम की भावना से विद्यार्थी प्रेरित होंगे।
2. अम्बेडकरवादी चिंतन के द्वारा विद्यार्थी समाज-सुधार एवं समाज में फैली विकृतियों को समझकर सुधारने का प्रयास करेंगे।
3. मार्क्सवादी चिंतन के द्वारा मार्क्सवादी साहित्य की जानकारी प्राप्त करेंगे।
4. आधुनिकतावाद और उत्तर आधुनिकतावाद के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त करेंगे।
5. हिन्दी-साहित्य में अस्तित्ववाद का आगमन कैसे हुआ इसकी आवश्यकता क्यों पड़ी तथा इसके समर्थ हिन्दी साहित्यकारों के बारे में जानकारी प्राप्त करेंगे।

नोट :-

1. पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो-दो अंक का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।
2. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई में से आंतरिक विकल्प के साथ एक-एक दीर्घ प्रश्न पूछा जाएगा। जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक प्रश्न (कुल 4 प्रश्न) करना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 14 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 56 अंक का होगा।

इकाई-1

हिन्दी साहित्य में गंधीवादी दर्शन

हिन्दी साहित्य में गंधीवादी चिन्तन का प्रभाव

हिन्दी साहित्य में अम्बेडकर दर्शन

हिन्दी साहित्य में अम्बेडकरवादी चिन्तन का प्रभाव

इकाई-2

मनोविश्लेषणवाद का अर्थ, स्वरूप और अवधारणा

हिन्दी साहित्य में मनोविश्लेषणवाद

हिन्दी साहित्य में लोहिया दर्शन

हिन्दी साहित्य और मार्क्सवाद

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

इकाई-3

अस्तित्ववाद का अर्थ, स्वरूप और अवधारणा
हिन्दी साहित्य में अस्तित्ववाद
हिन्दी साहित्य में आधुनिकतावाद
हिन्दी साहित्य में उत्तर-आधुनिकतावाद

इकाई-4

हिन्दी साहित्य में समकालीन साहित्य चिन्तन की पृष्ठभूमि
समकालीन कविता और विभिन्न विमर्श
हिन्दी साहित्य में आदिवासी विमर्श
हिन्दी साहित्य में अल्पसंख्यक विमर्श
सन्दर्भ सूची -

1. रामचंद्र शुक्ल, चिंतामणि, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. हजारी प्रसाद द्विवेदी, अशोक के फूल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. हिन्दी आलोचना : विश्वनाथ त्रिपाठी - राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना : रामविलास शर्मा - राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. इतिहास और आलोचना : नामवर सिंह - राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
6. दूसरी परम्परा की खोज : नामवर सिंह - राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
7. साहित्य का नया सौंदर्यशास्त्र : संतो देवेन्द्र चौबे, किताबघर प्रकाशन, दिल्ली प्रथम संस्करण 2006

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

एम.ए. हिन्दी (चतुर्थ सत्र) सत्र- 2026-27
26HND-404-C हिन्दी आलोचना Course Type (DEC)

क्रेडिट : 4
पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30
समय : 3 घण्टे

कोर्स आउटकम (COS)

1. आलोचना के सिद्धान्तों एवं प्रवृत्तियों से परिचित करना।
2. साहित्यिक विश्लेषण एवं मूल्यांकन क्षमता का विकास करना।
3. हिन्दी भाषा एवं अभिव्यक्ति कौशल को समृद्ध बनाना।
4. प्रमुख आलोचकों की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
5. आलोचना के सिद्धान्त एवं प्रवृत्तियों का अध्ययन कर सकेंगे।

नोट :-

1. पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो-दो अंक का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।
2. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई में से आंतरिक विकल्प के साथ एक-एक दीर्घ प्रश्न पूछा जाएगा जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक प्रश्न (कुल 4 प्रश्न) करना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 14 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 56 अंक का होगा।

इकाई -1

आलोचना का अर्थ : परिभाषा एवं अवधारणा

हिन्दी आलोचना का उद्भव एवं विकास

हिन्दी आलोचना का वर्गीकरण

हिन्दी के प्रमुख आलोचकों का संक्षिप्त परिचय

इकाई-2

शुक्ल पूर्व हिन्दी आलोचना

शुक्लयुगीन हिन्दी आलोचना

शुक्लान्तरयुगीन हिन्दी आलोचना- स्वच्छंदतावादी, प्रगतिवादी आलोचना

मनोविश्लेषणवादी समीक्षा, नई समीक्षा, समकालीन समीक्षा

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

इकाई-3

प्रमुख आलोचक :- आलोचना दृष्टि, साहित्यिक मूल्यांकन, सामाजिक-सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य, भाषा एवं शैली

रामचन्द्र शुक्ल

हजारी प्रसाद द्विवेदी

रामविलास शर्मा

डॉ नगेन्द्र

इकाई-4

रचनाकार आलोचक : आलोचना दृष्टि, साहित्यिक मूल्यांकन, सामाजिक-सांस्कृतिक परिप्रेक्ष्य, भाषा एवं शैली

प्रेमचन्द

जयशंकर प्रसाद

अज्ञेय

मुक्तिबोध

संदर्भ पुस्तकें :

1. हिन्दी आलोचना : विश्वनाथ त्रिपाठी - राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल और हिन्दी आलोचना : रामविलास शर्मा - राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
3. इतिहास और आलोचना : नामवर सिंह- राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
4. दूसरी परम्परा की खोज : नामवर सिंह- राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
5. साहित्य का नया सौंदर्यशास्त्र : सं० देवेन्द्र चौबे, किताबघर प्रकाशन, दिल्ली प्रथम संस्करण 2006
6. आचार्य रामचन्द्र शुक्ल, हिन्दी साहित्य का इतिहास, लोकभारती प्रकाशन, नागरी प्रचारिणी सभा काशी
7. नामवर सिंह, कविता के नए प्रतिमान, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
8. हजारी प्रसाद द्विवेदी, हिन्दी निबंध, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
9. रामविलास शर्मा, निराला की साहित्य साधना, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

एम.ए. हिन्दी (चतुर्थ सत्र) सत्र— 2026-27
26HND-404-D हिन्दी पत्रकारिता Course Type (CC)

क्रेडिट : 4
पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30
समय : 3 घण्टे

कोर्स आउटकम (COS)

1. विद्यार्थी हिन्दी पत्रकारिता का उद्भव एवं विकास की जानकारी प्राप्त कर सकेंगे।
2. विद्यार्थी हिन्दी पत्रकारिता के प्रकारों से परिचित हो सकेंगे।
3. विद्यार्थियों को हिन्दी के प्रमुख पत्रकारों के विषय में जानकारी मिल सकेगी।
4. विद्यार्थी हिन्दी के प्रमुख पत्र-पत्रिकाओं की जानकारी मिलेगी।
5. विद्यार्थियों को समाचार लेखन कला और संपादन कला की जानकारी मिल सकेगी।

नोट :-

1. पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो-दो अंक का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।
2. पाठ्यक्रम में निर्धारित प्रत्येक इकाई में से आंतरिक विकल्प के साथ एक-एक दीर्घ प्रश्न पूछा जाएगा जिनमें से परीक्षार्थी को प्रत्येक इकाई से एक-एक प्रश्न (कुल 4 प्रश्न) करना होगा। प्रत्येक प्रश्न के लिए 14 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 56 अंक का होगा।

इकाई -1

हिन्दी पत्रकारिता का उद्भव एवं विकास
हिन्दी पत्रकारिता के प्रमुख प्रकार
भारत-पूर्व युगीन पत्रकारिता
द्विवेदी युगीन पत्रकारिता

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

इकाई -2

छायावाद युगीन पत्रकारिता
छायावादोत्तर युगीन पत्रकारिता
समकालीन पत्रकारिता
विमर्श केन्द्रित पत्रकारिता

इकाई -3

संपादन के आधारभूत तत्व: संपादकीय लेखन, फीचर लेखन
पत्रकारिता के मूल तत्व
समाचार संकलन और संपादन
समाचार के स्रोत

इकाई -4

समाचार लेखन कला :- शीर्षक, इंट्रो, शीर्षक संपादन, पृष्ठ-सज्जा, व्यवहारिक प्रूफ शोधन
साक्षात्कार और पत्रकार वार्ता
प्रेस प्रबंधन प्रक्रिया एवं कार्य
प्रमुख प्रेस कानून और आचार संहिता

संदर्भ पुस्तकें -

1. डॉ. रामचन्द्र तिवारी, पत्रकारिता के विविध रूप, अशोक प्रकाशन दिल्ली।
2. डॉ. वेद प्रताप वैदिक, हिन्दी पत्रकारिता के विविध आयाम, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नई दिल्ली।
3. डॉ. पी.सी. टंडन, पत्र और पत्रकार, ज्ञान मंडल प्रकाशन, वाराणसी।
4. डॉ. मनोहर प्रभाकर, फीचर लेखन: स्वरूप और शिल्प, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
5. रामशरण जोशी, मीडिया और बाजारवाद, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
6. फीचर लेखन, चतुर्वेदी प्रकाशन, सूचना और प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार।

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

एम.ए. हिन्दी (चतुर्थ सत्र) सत्र-2026-27
26HND-405-A कबीर-विशेष रचनाकार Course Type (DEC)

क्रेडिट : 4
पूर्णांक : 100
लिखित : 70
आंतरिक मूल्यांकन : 30
समय : 3 घण्टे

कोर्स आउटकम (COS)

1. विशेष रचनाकार कबीरदास के साहित्य का विशेष अध्ययन कर सकेंगे।
2. मध्यकाल के ऐतिहासिक व धार्मिक परिप्रेक्ष्य की जानकारी मिलेगी।
3. मध्यकाल के ऐतिहासिक व धार्मिक परिप्रेक्ष्य की जानकारी मिलेगी।
4. मध्यकालीन समाज व साहित्य की स्थिति का अवलोकन कर सकेंगे।
5. कबीर ने निर्गुण भक्ति के माध्यम से भक्ति मार्ग को बाह्य आडम्बरों से मुक्त किया। जिसका प्रभाव विद्यार्थी वर्ग पर हो सकेगा।
6. भक्ति आन्दोलन में कबीर के समय व उनके अवदान को समझ पायेंगे।

नोट :-

1. प्रथम प्रश्न अनिवार्य है। पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो-दो अंकों का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।
2. इकाई एक और इकाई दो से दो-दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न 14+14=28 अंकों का होगा।
3. इकाई तीन और इकाई चार से रचनाओं और रचनाकारों पर आधारित दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना होगा, जो 14 अंकों का होगा।
4. इकाई-3 व 4 से चार अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं दो अवतरणों की सन्दर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम-से-कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 7 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 7+7=14 अंकों का होगा।

इकाई -1

कबीर का समय
कबीर की प्रासंगिकता
कबीर का रहस्यवाद
कबीर के राम

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

इकाई-2

कबीर की कांति चेतना
कबीर का स्त्री-विषयक चिंतन
कबीर की मानवतावादी दृष्टि
कबीर की भाषा

इकाई-3

कबीर ग्रंथावली; संश्यामसुंदर दास (निर्धारित 20 पद)
पद संख्या: 1, 8, 14, 16, 21, 23, 24, 34, 39, 41, 42, 43, 49, 57, 59, 60, 61, 64, 80, 89,

इकाई-4

साखी -(कबीर ग्रंथावली संश्यामसुंदर दास) में संकलित

1. गुरुदेव कौ अंग -पद संख्या- 1 से 10
2. मन कौ अंग -पद संख्या- 1 से 10
3. कुसंगति कौ अंग -पद संख्या- 1 से 7

संदर्भ पुस्तकें -

1. कबीर; हजारी प्रसाद द्विवेदी-राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
2. कबीर मीमांसा; डॉ.रामचन्द्र तिवारी, लोकभारती प्रकाशन, नई दिल्ली
3. कबीर साहित्य की परख; परशुराम चतुर्वेदी-भारती भण्डार, इलाहाबाद
4. कबीर की विचाराधारा ; गोविन्द त्रिगुणायत-साहित्य निकेतन, कानपुर
5. सत कबीर; डॉ.रामकुमार वर्मा-साहित्य भवन, इलाहाबाद

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

एम.ए. हिन्दी (चतुर्थ सत्र) सत्र- 2026-27
26HND-405-A तुलसीदास –विशिष्ट रचनाकार Course Type (DEC)

क्रेडिट : 4

पूर्णांक : 100

लिखित : 70

आंतरिक मूल्यांकन : 30

समय : 3 घण्टे

कोर्स आउटकम (COS)

1. विशिष्ट रचनाकार तुलसीदास के साहित्य का विशेष अध्ययन कर सकेंगे।
2. तुलसीदास की रचनाओं को पढ़ने और समझने का अवसर मिलेगा।
3. मध्यकाल के ऐतिहासिक व धार्मिक परिप्रेक्ष्य की जानकारी मिलेगी।
4. मध्यकालीन समाज व साहित्य की स्थिति का अवलोकन कर सकेंगे।
5. तुलसीदास ने सगुण भक्ति के माध्यम से भक्ति मार्ग को सरल और आसान बनाने का कार्य किया है उसकी विशेष जानकारी से विद्यार्थी लाभान्वित हो सकेंगे।

नोट :-

1. प्रथम प्रश्न अनिवार्य है। पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो-दो अंकों का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।
2. इकाई एक और इकाई दो से दो-दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न 14+14=28 अंकों का होगा।
3. इकाई तीन और इकाई चार से रचनाकारों पर आधारित दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना होगा, जो 14 अंकों का होगा।
4. इकाई- 3 व 4 से चार अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं दो अवतरणों की सन्दर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम-से-कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 7 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 7+7=14 अंकों का होगा।

इकाई -1

भक्तियुगीन पृष्ठभूमि और तुलसीदास
रामकाव्य-परम्परा और तुलसीदास
तुलसीदास की भक्तिभावना
तुलसी की सामाजिक चेतना

CBLU-Syllabi-M.A.HINDI –NEP-2020

Approved By PGBOS (30.06.2026)

Page 104 of 114

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

इकाई-2

तुलसीदास के काव्य में लोकमंगल व समन्वय की भावना

तुलसीदास की रामराज्य की अवधारणा

तुलसी काव्य की प्रासंगिकता

तुलसीदास की भाषा एवं सौंदर्यबोध

इकाई-3

रामचरितमानस (गीता प्रेस) गोरखपुर

उत्तरकांड- (1 से 35 पेज)

इकाई-4

कवितावली (10 छंद) -29, 35, 37, 44, 45, 60, 67, 73, 84, 88

संदर्भ पुस्तकें :

1. गोस्वामी तुलसीदास; रामचंद्र शुक्ल-नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी
2. विश्वनाथ त्रिपाठी, लोकवादी तुलसीदास, राधाकृष्णन प्रकाशन, दिल्ली
3. रामभूति त्रिपाठी-तुलसी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
4. डॉ. नगेन्द्र, तुलसी संदर्भ, वाणी प्रकाशन, दिल्ली
5. हरिश्चन्द्र वर्मा, भक्ति, नीति और दर्शन, आधार प्रकाशन

Handwritten signature and text in blue ink.

Handwritten signature in blue ink.

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

एम.ए. हिन्दी (चतुर्थ सत्र) सत्र- 2026-27

26HND-405-A सूरदास -विशिष्ट रचनाकार Course Type (DEC)

क्रेडिट : 4

पूर्णांक : 100

लिखित : 70

आंतरिक मूल्यांकन : 30

समय : 3 घण्टे

कोर्स आउटकम (COs)

1. विशिष्ट रचनाकार सूरदास के साहित्य का विशेष अध्ययन कर सकेंगे।
2. सूरदास की रचनाओं को पढ़ने और समझने का अवसर मिलेगा।
3. मध्यकाल के ऐतिहासिक व धार्मिक परिप्रेक्ष्य की जानकारी मिलेगी।
4. मध्यकालीन समाज व साहित्य की स्थिति का अवलोकन कर सकेंगे।
5. सूरदास के साहित्य के माध्यम से भ्रमरगीत परम्परा की जानकारी से विद्यार्थी लाभान्वित हो सकेंगे।

नोट :-

1. प्रथम प्रश्न अनिवार्य है। पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो-दो अंकों का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।
2. इकाई एक और इकाई दो से दो-दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक- एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न 14+14=28 अंकों का होगा।
3. इकाई तीन और इकाई चार से रचनाओं और रचनाकारों पर आधारित दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना होगा, जो 14 अंकों का होगा।
4. इकाई- 3 व 4 से चार अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं दो अवतरणों की सन्दर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम-से-कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 7 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न 7+7=14 अंकों का होगा।

इकाई -1.

भ्रमरगीत परम्परा और सूर का भ्रमरगीत
सूरदास का दार्शनिक दृष्टिकोण
सूरदास का प्रकृति-निरूपण
सूरदास का सौन्दर्य-बोध

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

इकाई-2

सूरदास की भक्ति भावना
सूरदास का वात्सल्य-वर्णन
सूरदास के काव्य में गीति-तत्त्व
सूरदास की काव्य-भाषा

इकाई-3

सूरसागर सार (संपादक डॉ. धीरेन्द्र वर्मा)
मथुरा गमन से निर्धारित पद (1 से 25 पद)

इकाई-4

सूरसागर सार (संपादक डॉ. धीरेन्द्र वर्मा)
उद्धव संदेश से निर्धारित पद (1 से 25 पद)

संदर्भ पुस्तकें :

1. सूरसागर (श्री कृष्ण लीलात्मक) (पाँच खण्ड) : डॉ. किशोरी लाल गुप्त-लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद
2. महाकवि सूरदास : आचार्य नन्ददुलारे वाजपेयी-राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली
3. भक्ति आंदोलन और सूरदास का काव्य : मैनेजर पाण्डेय -वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली
4. सूरदास और उनका भ्रमरगीत : डॉ श्री निवास शर्मा -नमन प्रकाशन, नई दिल्ली
5. सूर संचायिता : स० मैनेजर पाण्डेय-राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

संयोजक
प्रमुख
अध्यक्ष

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

एम.ए. हिन्दी (चतुर्थ सत्र) सत्र- 2026-27
26HND-405-D मीराबाई-विशिष्ट रचनाकार Course Type (DEC)

क्रेडिट : 4

पूर्णांक : 100

लिखित : 70

आंतरिक मूल्यांकन : 30

समय : 3 घण्टे

कोर्स आउटकम (COs)

1. विशिष्ट रचनाकार मीराबाई के साहित्य का विशेष अध्ययन कर सकेंगे।
2. मीराबाई के माध्यम से स्त्री-मुक्ति के इतिहास की जानकारी मिलेगी।
3. मीराबाई की रचनाओं को पढ़ने और समझने का अवसर मिलेगा।
4. मध्यकाल के ऐतिहासिक व धार्मिक परिप्रेक्ष्य की जानकारी मिलेगी।
5. मध्यकालीन समाज व साहित्य में स्थिति का अवलोकन कर सकेंगे।
6. मीराबाई की कृष्ण भक्ति परम्परा जानकारी से विद्यार्थी लाभान्वित हो सकेंगे।

नोट :-

1. प्रथम प्रश्न अनिवार्य है। पूरे पाठ्यक्रम से 7 वस्तुनिष्ठ प्रश्न पूछे जाएंगे। प्रत्येक प्रश्न दो-दो अंकों का होगा। पूरा प्रश्न 14 अंकों का होगा।
2. इकाई एक और इकाई दो से दो-दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना होगा। यह प्रश्न $14+14=28$ अंकों का होगा।
3. इकाई तीन और इकाई चार से रचनाओं और रचनाकारों पर आधारित दो दीर्घ प्रश्न पूछे जाएंगे, जिनमें से एक प्रश्न का उत्तर देना होगा, जो 14 अंकों का होगा।
4. इकाई-3 व 4 से चार अवतरण व्याख्या के लिए दिए जाएंगे, जिनमें से परीक्षार्थी को किन्हीं दो अवतरणों की सन्दर्भ सहित व्याख्या करनी होगी। प्रत्येक इकाई से कम-से-कम एक व्याख्या करनी अनिवार्य है। प्रत्येक व्याख्या के लिए 7 अंक निर्धारित हैं। पूरा प्रश्न $7+7=14$ अंकों का होगा।

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

इकाई -1

भक्तियुगीन पृष्ठभूमि और मीराबाई
कृष्णभक्ति परम्परा में मीराबाई का स्थान
मीराबाई का समय और समाज
मीराबाई की भक्तिभावना

इकाई-2

मीराबाई का जीवन एवं उपासना पद्धति
मीराबाई और स्त्री मुक्ति के प्रश्न
मीराबाई और हिन्दी आलोचना
मीराबाई की भाषा और सौंदर्यबोध

इकाई-3

मीराबाई के भक्ति पद (निर्धारित पद 25) (मीरा वृहत्पदावली, सं० हरिनारायण पुरोहित)
30, 44, 54, 73, 108, 117, 129, 147, 199, 205, 224, 247, 279, 286, 287, 316, 339, 363, 367, 443, 539, 568, 587, 617

इकाई-4

मीराबाई के पद (प्रारम्भ के 20 पद) (मीरा : सम्पादक : विश्वनाथ त्रिपाठी)

संदर्भ पुस्तकें :

1. सम्पादक : विश्वनाथ त्रिपाठी, मीरा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
2. मीराबाई का जीवन परिचय : मुंशी देवी प्रसाद - बंगीय हिंदी परिषद, कोलकाता
3. मीरा का जीवन और काव्य (दो भाग) : डॉ० सी०एल० प्रभात - राजस्थानी ग्रंथागार, जोधपुर
4. श्रीभक्तमाल (टीका कवित्त) : प्रियादास - श्री वंकेटेश्वर प्रेस, मुम्बई
5. चौरासी वैष्णव की वार्ता : गोकुलनाथ - पूजा प्रेस, अहमदाबाद
- 6- मीरा वृहत्पदावली, राजस्थान प्राच्यविद्या प्रतिष्ठान पी. डब्ल्यू. डी रोड, जोधपुर

अनुमोदित



चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

एम.ए. हिन्दी (चतुर्थ सत्र) सत्र- 2026-27
26HND-406 शोध प्रविधि एवं व्यावहारिक रूप Course Type (PC)

क्रेडिट : 2
पूर्णांक : 50
थैवेटकल : 20
आन्तरिक मूल्यांकन : 15
मौखिक परीक्षा-15 अंक

कोर्स आउटकम (COS)

1. शोध की अवधारणा, स्वरूप एवं महत्व से परिचित कराना।
2. शोध की विभिन्न प्रविधियों का व्यावहारिक ज्ञान प्रदान करना।
3. शोध समस्या का चयन एवं शोध-प्रस्ताव तैयार करना।
4. संदर्भ-सामग्री के संकलन एवं विश्लेषण का प्रशिक्षण देना।
5. शोध-प्रबंध लेखन, उद्धरण एवं संदर्भ शैली का अभ्यास कराना।
6. डिजिटल शोध उपकरणों एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता के नैतिक उपयोग का ज्ञान देना।

इकाई -1

शोध : अर्थ, परिभाषा एवं रूपरेखा- निर्माण
शोध : प्रकार-प्रसार ,तत्त्व, दृष्टि, क्षेत्र एवं प्रयोजन
शोध : विषय-चयन, परिकल्पना, सर्वेक्षण,समालोचना,तथा संयोजन
शोध की प्रमाणिकता :साक्ष्य,उद्धरण एवं सन्दर्भलेख, फुटनोट,

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

इकाई -2

भूमिका, विषय-वस्तु, उपसंहार लेखन, परिशिष्ट लेखन
सन्दर्भ शैली का परिचय : नामों की अनुक्रमणिका व अन्य सामग्री प्रस्तुत करने की विधियाँ
शोध : वैज्ञानिक उपकरणों की भूमिका, पुस्तकालय, ई-पुस्तकालय का उपयोग
हिन्दी शोध : स्तर- ह्रास और सुधार, शोध में नैतिकता, साहित्यिक चोरी से बचाव

प्रायोगिक कार्य – विद्यार्थियों को 40 से 60 पृष्ठ का शोधलेख तैयार करना होगा।

शोधलेख के विषय का चुनाव करने से पहले विभाग द्वारा निर्धारित अध्यापक शोध के सैद्धान्तिक पक्ष से संबंधित उपरोक्त दोनों इकाईयों का पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को कक्षा में समझाएगा। शोध के सैद्धान्तिक पक्ष का अध्ययन करने के पश्चात विद्यार्थी स्वतंत्र रूप से या विभाग द्वारा निर्धारित अध्यापक की सहायता से अपने एम.ए. हिन्दी के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से या यू.जी.सी.नेट पाठ्यक्रम या किसी प्रसिद्ध साहित्यिक कृति से किसी भी एक विषय पर शोध-प्रविधि का प्रयोग करते हुए अपना शोधलेख का कार्य 40 से 60 पृष्ठ के बीच एक प्रैक्टिकल फाइल के माध्यम से प्रस्तुत करेंगे। जिसके आधार पर उनकी मौखिक परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। मौखिक परीक्षा विश्वविद्यालय द्वारा नियुक्त बाह्य विषय- विशेषज्ञ द्वारा ली जायेगी। जिसके आधार पर विद्यार्थी का मूल्यांकन किया जाएगा।

विषय -वस्तु :-

1. उपरोक्त विषय के आधार पर राष्ट्रीय चेतना, मूल संवेदना, सामाजिक चेतना आदि पक्षों पर अपना शोधलेख कार्य कर सकते हैं।
2. जैसे उदाहरण के लिए - 'चन्द्रगुप्त' नाटक में राष्ट्रीय व सांस्कृतिक चेतना

प्रायोगिक कार्य प्रस्तुतिकरण-20 अंक
मौखिक परीक्षा-15 अंक

(Handwritten signature)

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

एम.ए. हिन्दी (चतुर्थ सत्र) सत्र- 2026-27
For Option -2

26HND-407 लघु शोधप्रबन्ध Course Type (Dissertation/Project work/ Apprenticeship/ Internship etc.)

क्रेडिट : 12

पूर्णांक : 300

प्राैक्तिकल : 200

आन्तरिक मूल्यांकन : 100

कोर्स आउटकम (COs)

1. शोध की अवधारणा, स्वरूप एवं महत्व से परिचित कराना।
2. शोध की विभिन्न प्रविधियों का व्यवहारिक ज्ञान प्रदान करना।
3. शोध समस्या का चयन एवं शोध-प्रस्ताव तैयार करना।
4. संदर्भ-सामग्री के संकलन एवं विश्लेषण का प्रशिक्षण देना।
5. शोध-प्रबंध लेखन, उद्धरण एवं संदर्भ शैली का अभ्यास कराना।
6. डिजिटल शोध उपकरणों एवं कृत्रिम बुद्धिमत्ता के नैतिक उपयोग का ज्ञान देना।

इकाई -1

शोध : अर्थ, परिभाषा एवं रूपरेखा- निर्माण

शोध : प्रकार-प्रसार ,तत्त्व, दृष्टि, क्षेत्र एवं प्रयोजन

शोध : विषय-चयन, परिकल्पना, सर्वेक्षण,समालोचना, तथा संयोजन

शोध की प्रमाणिकता :साक्ष्य,उद्धरण एवं सन्दर्भोन्लेख, फुटनोट,

अनुमोदित

चौधरी बंसी लाल विश्वविद्यालय, भिवानी
स्नातकोत्तर कार्यक्रम, जुलाई, 2026 से प्रभावी

इकाई -2

भूमिका, विषय-वस्तु, उपसंहार लेखन, परिशिष्ट लेखन
सन्दर्भ शैली का परिचय : नामों की अनुक्रमणिका व अन्य सामग्री प्रस्तुत करने की विधियाँ
शोध : वैज्ञानिक उपकरणों की भूमिका, पुस्तकालय-ई-पुस्तकालय का उपयोग
हिन्दी शोध : स्तर- ह्रास और सुधार, शोध में नैतिकता, साहित्यिक चोरी से बचाव

प्रायोगिक कार्य - लघु शोधप्रबन्ध

विकल्प 2 चुनने वाले छात्रों को पाठ्यक्रम उत्तीर्ण करने के लिए एक लघु शोध प्रबन्ध प्रस्तुत करना होगा। लघु शोधप्रबन्ध के विषय का चुनाव करने से पहले विभाग द्वारा निर्धारित अध्यापक शोध के सैद्धान्तिक पक्ष से संबंधित उपरोक्त दोनों इकाईयों का पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को कक्षा में समझाएगा। शोध के सैद्धान्तिक पक्ष का अध्ययन करने के पश्चात विद्यार्थी स्वतंत्र रूप से या विभाग द्वारा निर्धारित अध्यापक की सहायता से अपने एम.ए. हिन्दी के सम्पूर्ण पाठ्यक्रम से या यू.जी.सी.नेट पाठ्यक्रम या किसी प्रसिद्ध साहित्यिक कृति से किसी भी एक विषय पर शोध-प्रविधि का प्रयोग करते हुए अपना लघु शोधप्रबन्ध प्रस्तुत करेगा। जिसके आधार पर उनकी मौखिक परीक्षा का आयोजन विश्वविद्यालय के नियमानुसार किया जाएगा। मौखिक परीक्षा विश्वविद्यालय द्वारा नियुक्त बाह्य विषय- विशेषज्ञ द्वारा ली जायेगी। जिसके आधार पर विद्यार्थी का मूल्यांकन किया जाएगा।

विषय -वस्तु :-

1. उपरोक्त विषय के आधार पर राष्ट्रीय चेतना, मूल संवेदना, सामाजिक चेतना आदि पक्षों पर अपना लघु शोधप्रबन्ध का कार्य कर सकते हैं।
2. जैसे उदाहरण के लिए - 'चन्द्रगुप्त' नाटक में राष्ट्रीय व सांस्कृतिक चेतना / 'कठगुलाब' उपन्यास में स्त्री-विमर्श

प्रायोगिक कार्य प्रस्तुतिकरण-200 अंक
मौखिक परीक्षा-100 अंक

(Handwritten signatures and stamps)